● वर्ष-3
● अंक-282
रायपुर, शुक्रवार
05 जुलाई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› गौरवशाली पर्यटक स्थल आगरा

विजेता भारतीय टीम के स्वागत के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा

विक्ट्री परेड के बाद वानखेड़े में किया गया सम्मानित, बीसीसीआई ने दी 125 करोड़ रुपये की धनराशि

मुंबई। गुरुवार की शाम मुंबई में टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम के स्वागत के लिए आयोजित विक्ट्री परेड जनसैलाब उमड़ पड़ा। टीम इंडिया की ये विक्ट्री परेड नरीमन पॉइंट में नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) से शाम पांच बजे शुरू होकर वानखेड़े स्टेडियम में समाप्त हुई। उससे पहले रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम नई दिल्ली से देरी से मुंबई पहुंची। जिससे परेड सात बजकर 30 मिनट के बाद ही शुरू हो पाई। इस विजय जुलूस का साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मरीन ड्राइव पर पहुंच गए। भारतीय टीम बारबाडोस से सुबह नई दिल्ली पहुंची थी जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद टीम दोपहर बाद तीन बजकर 42 मिनट पर ही मुंबई के लिए रवाना हो पाई। वानखेड़े स्टेडियम को प्रशंसकों के लिए खोल दिया गया और कुछ मिनट में ही स्टेडियम खचाखच पर गया। स्टेडियम के गेट को शाम पांच बजे के लगभग बंद कर दिया गया और कई प्रशंसक बाहर इंतजार करते रह गए। भारतीय टीम विस्तारा के विमान से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 पर पहुंची, जहां उसे 'वाटर सैल्यूट' दिया गया।

टीम इंडिया की विक्ट्री परेड

वहीं जब टीम इंडिया देरी से टीम इंडिया के खिलाड़ी ओपन बस पर वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ नजर आ रहे हैं। इस दौरान रोहित शर्मा और भारत के अन्य खिलाड़ी फैंस से भी मिल रहे हैं। आपको बता दें कि लाखों की संख्या में फैंस खिलाड़ियों का इंतजार कर रहे हैं। इस परेड के दौरान रोहित और विराट ने विक्ट्री परेड के दौरान एक साथ ट्रॉफी को उठाया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के इस पल को देखकर फैंस काफी उत्साहित हैं। वानखेड़े पहुंचकर रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ टीम इंडिया के अन्य खिलाड़ियों ने डांस करते नजर आए। खिलाड़ियों ने देश भक्ति गानों पर डांस किया। वहीं टीम इंडिया के उपकप्तान हार्दिक पंड्या वर्ल्ड ट्रॉफी के साथ वानखेड़े स्टेडियम में पहुंचे।

राजभवन में ली शपथ

जेल से रिहाई के बाद हेमंत सोरेन फिर बने सीएम

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लगभग पांच महीने बाद जेल से रिहा होने के बाद हेमंत सोरेन ने गुरुवार को एक बार फिर झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रांची के राजभवन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकारी अध्यक्ष को पद की शपथ दिलाई। झामुमो ने पहले दिन में कहा था कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा राज्य में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद सोरेन 7 जुलाई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि सोरेन के आवास पर गठबंधन सहयोगियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बाद में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने फैसला किया कि सोरेन गुरुवार को शपथ लेंगे। गौरतलब है कि चंपई सोरेन ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत पर बाहर चल रहे हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राजभवन में राज्यपाल राधाकृष्णन से मुलाकात की। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, राजद मंत्री सत्यानंद भोक्ता और सीपीआई (एमएल)-एल विधायक विनोद

सिंह शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल में गांडेय विधायक और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी शामिल थी।

अब आगे के काम किए जाएंगे- हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि वर्तमान महागठबंधन की सरकार ने 2019 से जनता की भावनाओं के अनुरूप सारी कार्य योजनाएं की। राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच चंपई सोरेन ने उसे आगे बढ़ाया क्योंकि मैं जेल में था। आज कोर्ट के आदेश से मैं बाहर आ पाया हूं। पुनः अपने कार्यभार को संभालते हुए अब आगे के काम किए जाएंगे। हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि जनता, पार्टी कार्यकर्ता सबकी शुभकामनाएं है और हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए हेमंत सोरेन फिर से झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में और तेजी से कार्य करेंगे। गांडेय मेरी प्राथमिकता है और रहेगी।

झामुमो ने पहले दिन में कहा था कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा राज्य में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद सोरेन 7 जुलाई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि सोरेन के आवास पर गठबंधन सहयोगियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

हेमंत सोरेन के पिता और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन, उनकी मां रूपी सोरेन, पत्नी कल्पना सोरेन तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई वाले गठबंधन के वरिष्ठ नेता भी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। हेमंत सोरेन को झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दिए जाने के बाद 28 जून को जेल से रिहा कर दिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को उनकी गिरफ्तारी से कुछ समय पहले ही उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

'इंडिया' गठबंधन का चेहरा होंगे हेमंत सोरेन

जमशेदपुर। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य डॉक्टर अजय कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन इस साल राज्य में होने वाले वाले विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन का चेहरा होंगे। झामुमो के प्रमुख शिबू सोरेन के बेटे हेमंत ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन के इस्तीफा देने के बाद बृहस्पतिवार को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कुमार ने कहा, झारखंड में मुख्यमंत्री बदलने से विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की संभावनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बल्कि हम 2019 के चुनाव की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन सरकार में शामिल है। कुमार ने दावा किया, हेमंत सोरेन को बिना किसी सबूत के पांच महीने तक जेल में रखने से दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और सामान्य जाति के लोगों में नाराजगी है। यह पूछे जाने पर कि क्या हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के बीच सहमति बन गई है, इसपर वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि इस मुद्दे पर शायद ही कोई मतभेद है।

काशी में निरंतर बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या

वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण, काशी के मजबूत हुए इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी ने यहां आने वाले धार्मिक पर्यटकों की राह आसान कर दी है । वाराणसी में पिछले वर्ष 2023 के प्रथम छमाही (जनवरी-जून) के मुकाबले 2024 के प्रथम छमाही में पर्यटकों और बाबा विश्वनाथ धाम की आमदनी दोनों में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। इस समयावधि में 2023 के सापेक्ष 2024 में धाम की आमदनी में 24.66 प्रतिशत बढ़ी है, वहीं श्रद्धालुओं की संख्या में 45.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में

योजनाओं को योगी सरकार द्वारा धरातल पर उतारने के बाद काशी में तीर्थाटन करने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि वर्ष 2023 (जनवरी से जून) तक 22979137 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार मे हाज़िरी लगाई है। यह पिछले वर्ष से 1 करोड़ ,5 लाख 15 हज़ार, 796 (1,05,15,796) अधिक है। वहीं धाम के पास 2023 के पहले छमाही में 38,29,77,214 था, जबकि 2024 की प्रथम छमाही में आमदनी 47,74,13890 हो गई है। यह 9 करोड़ 44 लाख 36 हज़ार ,676 (9,44,36,676) अधिक है।

पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए बालटाल में वेस्ट टू वंडर पहल शुरू की गई

बालटाल। अमरनाथ गुफा मंदिर की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के बीच एकल उपयोग वाले प्लास्टिक और पुनर्चक्रण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अधिकारियों ने बालटाल में वेस्ट टू वंडर प्रदर्शनी शुरू की है। बालटाल दक्षिण कश्मीर हिमालय में गुफा मंदिर की यात्रा के दो मुख्य शिविरों में से एक है। 52 दिवसीय अमरनाथ तीर्थयात्रा 29 जून को शुरू हुई जो 19 अगस्त को समाप्त होगी।

प्रमुख समाचार

वरिष्ठ भाजपा नेता आडवाणी को अस्पताल से छुट्टी मिली

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को बृहस्पतिवार शाम यहां अपोलो अस्पताल से छुट्टी मिल गयी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। आडवाणी (96) को बुधवार को यहां अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ दिन पहले उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाया गया था। उन्हें एम्स में एक रात रखने के बाद छुट्टी दे दी गई थी। सूत्रों ने बताया कि आडवाणी को आज करीब पांच बजे अपोलो अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। सूत्रों ने कहा था कि बुधवार रात अस्पताल में भर्ती किए जाने के बाद उनकी (आडवाणी की) हालतस्थिर बनी रही। पूर्व उप प्रधानमंत्री को बुधवार रात करीब नौ बजे अपोलो अस्पताल लाया गया था। उनके साथ उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी थीं।

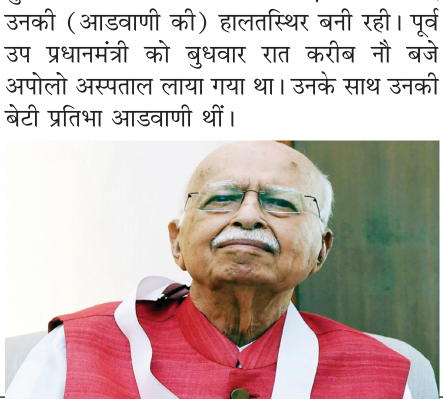

सांसद ने अनुराग ठाकुर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सदन में तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बयान दिए और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। टैगोर ने स्पीकर बिरला को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि मोदी और ठाकुर द्वारा दिए गए बयानों पर निर्देश 115(1) के प्रावधानों को लागू किया जाए। विरुधुनगर सांसद ने बिरला से सदन में प्रधान मंत्री मोदी और ठाकुर द्वारा दिए गए तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बयानों पर अपेक्षित कार्यवाही शुरू करने और उचित कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब में कहा था कि कांग्रेस ने महिलाओं को प्रति माह 8,500 रुपये देने का झूठा वादा किया था, जबकि पार्टी का वादा जीत और सरकार गठन की शर्त पर था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के इस दावे को भी चुनौती दी.

सिद्धरमैया को विधानसभा भंग करने की चुनौती दी

बेंगलुरु । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को कर्नाटक विधानसभा को भंग कर अभी विधानसभा चुनाव कराने की चुनौती दी और दावा किया कि ऐसा होने पर भाजपा 140 से 150 सीट जीतेगी। उन्होंने कहा कि हाल के लोकसभा चुनाव में राज्य के लोगों ने कांग्रेस की 'व्यर्थ गारंटियों' तथा धनबल एवं बाहुबल को खारिज कर दिया और भाजपा को पसंद किया। कद्दावर लिंगायत नेता येदियुरप्पा ने यहां पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित प्रदेश भाजपा की विशेष कार्यकारी बैठक के दौरान कहा, ''मैं मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को चुनौती देता हूं कि यदि उनमें हिम्मत है तो विधानसभा भंग कीजिए और फिर चुनाव कराइए। तभी आपको पता चलेगा कि आपकी स्थिति क्या है। यदि चुनाव कराये जाते हैं तो भाजपा 140 से 150 सीट जीतेगी।'' कर्नाटक में 224 सदस्यीय विधानसभा है तथा लोकसभा की 28 सीट हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा-जद-एस गठबंधन ने 19 सीट जीतीं और भाजपा को 142 विधानसभा क्षेत्रों में बहुमत मिला।

वंदे भारत की छत से टपकने लगा पानी, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से दिल्ली से वाराणसी यात्रा कर रहे कई यात्रियों को उस समय परेशानी का सामना करना पड़ा जब ट्रेन की छत से रिसाव शुरू हो गया। घटना का एक वीडियो वायरल हो गया है जिसमें कोच की छत से पानी रिस रहा है, जिससे सीटें भीग गई हैं। कई यात्रियों ने इस मुद्दे की शिकायत की और ट्रेनों के खराब प्रबंधन के लिए रेल मंत्रालय की आलोचना की। एक एक्स यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि भारत की शीर्ष यात्री ट्रेनों में से एक वंदे भारत को देखें। छत से पानी टपक रहा है। ट्रैक दिल्ली-वाराणसी है और ट्रेन नंबर 22416 है। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, उत्तर रेलवे के आधिकारिक हैंडल ने रिसाव के पीछे %%पाइपों की अस्थायी रुकावट%% को कारण बताया और असुविधा के लिए माफी मांगी। उन्होंने लिखा, पाइपों में अस्थायी रुकावट के कारण कोच में थोड़ा पानी का रिसाव देखा गया! ट्रेन में मौजूद स्टाफ द्वारा इसे देखा गया और ठीक किया गया। जो असुविधा हुई उसके लिए खेद है।

आ गई पीएम मोदी के रूस दौरे की तारीख, पुतिन से होगी चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 08-10 जुलाई 2024 को रूसी संघ और ऑस्ट्रिया गणराज्य की आधिकारिक यात्रा करेंगे। रूसी संघ के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री 08-09 जुलाई 2024 को मास्को में होंगे। व्लादिमीर पुतिन 22वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करेंगे। नेता दोनों देशों के बीच बहुमुखी संबंधों की संपूर्ण श्रृंखला की समीक्षा करेंगे और आपसी हित के समसामयिक क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री 09-10 जुलाई 2024 के दौरान ऑस्ट्रिया की यात्रा करेंगे। यह 41 वर्षों में किसी भारतीय प्रधान मंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। वह ऑस्ट्रिया गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम से मुलाकात करेंगे। अलेक्जेंडर वान डेर बेलेन और ऑस्ट्रिया के चांसलर महामहिम के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री और चांसलर भारत और ऑस्ट्रिया के व्यापारिक नेताओं को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मॉस्को के साथ-साथ वियना में भी भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगे।

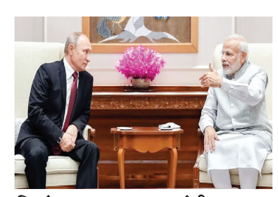

ब्रिटेन में 40 हजार बूथों पर मतदान, वोटिंग के दिन सियासी चर्चा-विश्लेषण पर पाबंदी

ज्योति भास्कर

ब्रिटेन के संचार कार्यालय (ऑफकॉम) ने मीडिया निगरानी नियम बनाए हैं। इनके मुताबिक सभी सियासी और सरकार की नीतियों से जुड़े मुद्दों पर बहस ब्रिटेन के स्थानीय समयानुसार मतदान के दिन सुबह सात बजे से पहले समाप्त हो जानी चाहिए। वोटिंग शुरू होने के बाद रात 10 बजे तक किसी भी राजनीतिक चर्चा या विश्लेषण की अनुमति नहीं होती। मतदान के बाद इन्हीं नियमों के मुताबिक एग्जिट पोल के नतीजे दुनियाभर में प्रसारित किए जाते हैं। ऑफकॉम के दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि धारा 6 के तहत मतदान शुरू होने पर चुनाव और जनमत संग्रह के मुद्दों पर चर्चा और विश्लेषण समाप्त हो जाना चाहिए।

निष्पक्ष मतदान का प्रयास

नियमों के मुताबिक ब्रिटेन का कोई भी प्रसारक मतदान के दिन किसी भी ओपिनियन पोल के नतीजे प्रकाशित या प्रसारित नहीं कर सकते। यह रोक उस समय तक प्रभावी रहती है, जब तक मतदान समाप्त न हो जाए। इन नियमों का मकसद चुनाव के दिन आम जनता के लिए निष्पक्ष मतदान का माहौल बनाना है। किसी भी तरह के हस्तक्षेप या चुनावी धांधली को रोकने के लिए कई और उपाय भी किए जाते हैं। यह भी रोचक है कि कई लोग डाक मतपत्र के माध्यम से पहले ही अपना वोट डाल चुके हैं।

गुरुवार को ही होता है मतदान

स्थानीय समय के अनुसार ब्रिटेन में आधी रात के करीब पहले परिणाम सामने आ जाते हैं। 19वीं शताब्दी से चली आ रही परंपरा का एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि ब्रिटेन में सदियों से गुरुवार को ही मतदान कराए जा रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि शुक्रवार को श्रमिकों के लिए वेतन का दिन होता है। ऐसे में वीकएंड पर वोटिंग प्रतिशत घटने की आशंका होती है।

किंग चार्ल्स तृतीय आमंत्रित करेंगे

अनुमान के मुताबिक शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक (ब्रिटिश टाइम) आधिकारिक चुनाव परिणाम आ जाएंगे। भारतीय समय के मुताबिक नतीजे शुक्रवार शाम चार-पांच बजे तक आ जाएंगे। मतदान के अगले दिन की गतिविधि भी बेहद रोचक होती है, क्योंकि हारने वाला पार्टी का नेता शाही परिवार के पास बकिंघम पैलेस जाकर आधिकारिक तौर पर हार स्वीकार करता है। इसके बाद जीतने वाले प्रत्याशी को ब्रिटेन के महाराज औपचारिक रूप से सरकार बनाने को आमंत्रित करते हैं। कई दशकों के बाद इस साल किंग चार्ल्स तृतीय यह औपचारिकता पूरी करेंगे।

भारतवंशी वोटरों की राय

ब्रिटेन में आम चुनाव के नतीजे कल शाम तक आने का अनुमान है। अनुमान के मुताबिक 15 साल के बाद लेबर पार्टी सरकार बना

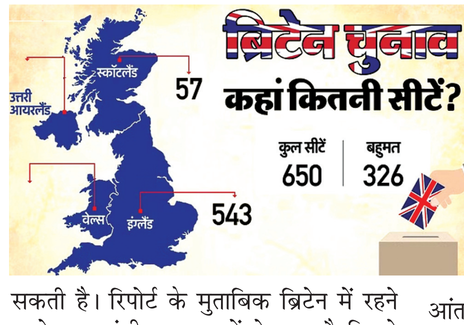

सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन में रहने वाले भारतवंशी मतदाताओं ने कहा है कि वे ऋषि सुनक के प्रदर्शन से खुश हैं, लेकिन इस बार लेबर पार्टी सरकार बनाने की मजबूत स्थिति में दिख रही है। ब्रिटेन में आम चुनाव के नतीजे शुक्रवार शाम तक आने का अनुमान है। वहां रहने वाले भारतीय समुदाय ने भरोसा जताया है कि लेबर पार्टी कंजरवेटिव पार्टी के लगभग 15 साल के शासन को समाप्त कर देगी। भारतीय मूल के लोगों ने यह भी माना कि ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री के रूप में अच्छा काम किया है, लेकिन उनके पहले के कंजर्वेटिव नेताओं की तरफ से की गई गड़बड़ के कारण पार्टी हार जाएगी। गुजरात के एक भारतवंशी ने बताया कि उम्मीदों के मुताबिक , कंजर्वेटिव शासन के तहत अस्थिरता और खराब प्रदर्शन के कारण लेबर पार्टी को जीतना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि लेबर पार्टी की आंतरिक समस्याओं के कारण सत्ता में वापसी के अवसरों को बिगाड़ सकती हैं। वोट डालने के बाद ब्रिटेन के एक अन्य निवासी ने कहा, %अगर मौजूदा राजनीतिक रुझान जारी रहे तो मुझे लगता है कि लेबर पार्टी को शानदार जीत के साथ 15 साल बाद सत्ता में वापस आना चाहिए। बता दें कि इंग्लैंड, वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड के कुल 650 निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता अपने वोट डालेंगे। किसी भी पार्टी को 650 संसदीय सीटों में से कम से कम 326 सीटें जीतनी होती हैं। उसी पार्टी का नेता प्रधानमंत्री बनता है।

सरकार के अलग-अलग पहलुओं पर बात करते हुए मतदाता ने कहा, कंजर्वेटिव खेमा हारने वाला है। इसके कुछ प्रमुख कारणों में काफी कम समय में प्रधानमंत्रियों को बदला जाना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा की गड़बड़ी है। उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी की संभावित जीत उनकी व्यक्तिगत राय है। मौजूदा प्रधानमंत्री और भारतवंशी ऋषि सुनक के प्रति समर्थन जताते हुए ब्रिटेन के एक अन्य निवासी ने कहा, वे एक अच्छे प्रधानमंत्री हैं, लेकिन कंजर्वेटिव पार्टी के पिछले नेताओं ने समस्याएं पैदा की हैं। मौजूदा प्रधानमंत्री सुनक अपने प्रदर्शन के कारण नहीं, पूर्ववर्ती नेताओं के कारण हार सकते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छे प्रधानमंत्री होने के बावजूद सुनक के पास पर्याप्त समय नहीं था। इनके अलावा एक भारतवंशी महिला ने भरोसा जताया कि लेबर पार्टी ही चुनाव जीतेगी। हालांकि, निजी रूप से उन्हें ऋषि सुनक ही पसंद हैं।

पेंड्रा में अवैध कोल भंडारण पर बड़ी कार्रवाई

जिला प्रशासन ने वाहन समेत कोल डिपो किया सील

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। पेंड्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत रूमगा में श्री श्याम इंटरप्राइसेस कोल डिपो संचालित है। गुरुवार सुबह एक कोल लोडेड ट्रेलर बिना कागज के ही बिलासपुर के लिए कोल डिपो से निकला था।लेकिन रास्ते में ट्रक खराब हो गया।जिसकी शिकायत मीडिया के माध्यम से खनिज अधिकारी के पास पहुंची।खनिज अधिकारी जिला प्रशासन की टीम के साथ ट्रक के पास पहुंची और दस्तावेज मांगे।लेकिन ड्राइवर दस्तावेज नहीं दिखा पाया।इसके बाद जब ड्राइवर से कोल के बारे में पूछताछ की गई तो वो मौके से भाग गया।

इसके बाद खनिज विभाग की टीम ने रूमगा स्थित श्री श्याम इंटरप्राइसेस कोल डिपो में छापामार कार्रवाई कर दस्तावेजों की जांच की। कोल डिपो में भी टीम को कोल परिवहन से संबंधित कोई भी दस्तावेज नहीं मिला। विभाग के अफसरों ने जब स्टॉक की जांच की तो 500 टन कोल के होने के दस्तावेज मिले।जबकि डिपो में 1500 टन से ज्यादा कोल मौजूद था।

काफी देर तक विभाग की टीम फर्म से दस्तावेज की मांग करता रहा लेकिन जब दस्तावेज नहीं मिले तो डिपो को सील कर दिया गया। श्री श्याम इंटरप्राइसेस का संचालन मनोज कुमार कौशिक के नाम पर होता है। मौके पर दो खाली ट्रेलर और एक कोयले से भरा ट्रक भी सील किया गया। रास्ते में बिगड़े ट्रेलर को खनिज विभाग ने कोटमी चौकी में खड़ा करवाया है। विभाग इस कार्रवाई को अवैध भंडारण के खिलाफ की गई कार्रवाई बता रहा है।

जिला खनिज अधिकारी सबीना खान ने कहा कोल डिपो में अवैध भंडारण की शिकायत मिली थी।टीम मौके पर पहुंची और दस्तावेजों की जांच की।दस्तावेजों में दर्ज आंकड़े और मौके पर मिला कोल में काफी अंतर था।कोल भंडारण के उपयुक्त दस्तावेज नहीं मिलने पर डिपो सील किया गया है।अंदर ट्रक खड़े हैं,जिनकी चाबी नहीं मिली।जबकि एक ट्रक को जब्त किया गया है।

आपको बता दें कि जिला बनने के बाद अवैध कोयले पर इस तरह की पहली बड़ी कार्रवाई हुई है। इस कोल डिपो से लगातार चोरी छिपे सीमावर्ती मध्यप्रदेश से अवैध तरीके से कोयला लाकर यहां पर खपाने की सूचना मिलती थी। ये अवैध कोल भंडारण और अवैध कोयले के परिवहन की शिकायत शासन प्रशासन तक पहुंचती रही है।लेकिन देर सवेर ही सही प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करके डिपो सील कर दिया है।

20 नए विभाग व 33 नए पाठ्यक्रम हेतु 100 करोड़ का मिला अनुदान

जगदलपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने बताया कि शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री ऊषा योजना के अंतर्गत मल्टी डिसिप्लिनरी विश्वविद्यालय हेतु 100 करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ है। इस हेतु विश्वविद्यालय में नए विषयों के अध्यापन तथा शोध की आवश्यकता होगी जिससे यहां शोध की गुणवत्ता के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट में विश्वविद्यालय को 20 नए विभाग तथा 33 नए पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु बजट का प्रावधान किया गया था। पूर्व में यहां 10 विभागों में 14 कोर्स का संचालन किया जा रहा है। उन्होने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास को लेकर हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय के विकास के लिए केंदीय शिक्षा मंत्री से मिल कर उनसे विशेष आग्रह किया गया था।

किरण देव ने बताया कि नए सत्र से विश्वविद्यालय में कामर्स, बॉटनी, केमिस्ट्री, जिओलॉजी, गणित, फिजिक्स, स्टेटिस्टिक्स, जूलॉजी, इकोनॉमिक्स, जियोग्राफी, हिन्दी, हिस्ट्री, साइकोलॉजी तथा सोशियोलॉजी इत्यादि विषयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू होगी। इसके साथ ही इस क्षेत्र में रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने की श्रृंखला में लाइब्रेरी साइंस में बी. लिब तथा एम. लिब की भी पढ़ाई प्रारंभ होगी। अब तक इस कोर्स को करने के लिए अंचल के छात्रों को रायपुर या बिलासपुर जाना पड़ता था, लेकिन यहां यह कोर्स आरंभ होने से छात्रों को सुविधा होगी। विधायक श्री देव ने कहा कि हमारी सरकार बस्तर अंचल के शिक्षा में उच्च शिक्षा की की सुगमता तथा गुणवत्ता को लेकर गंभीर है। पूर्व में भी हमारी सरकार ने ही अंचल में बस्तर विश्वविद्यालय की स्थापना की थी तथा वर्तमान में भी हमारी सरकार इस विश्वविद्यालय के उन्नयन को लेकर गंभीर है। इसी कड़ी में सरकार के प्रयास से विश्वविद्यालय शिक्षा के नए नए आयाम गढ़ रहा है।

भिलाई में विधायक और पूर्व मंत्री के बंगले का विवाद

ताम्रध्वज साहू के बंगले में विधायक रिकेश सेन ने किया गृह प्रवेश

भिलाई। भिलाई के सेक्टर 9, सड़क नंबर 12 के बंगला नंबर 3 में बुधवार को काफी गहमागहमी का माहौल दिखा। विधायक रिकेश सेन अपने परिवार और समर्थकों के साथ इस बंगले में पहुंचे। पंडित को बुलाकर गृह प्रवेश की पूजा कराई। इस घटना के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल ये बंगला छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के नाम पर अलॉट है। खुद ताम्रध्वज साहू ने दावा किया है कि बंगला बीएसपी से उनके नाम पर अलॉट किया गया है जिसके मालिक अब भी वह है।

ताम्रध्वज साहू ने कहा- वीडियो में देखा कि बंगले के बाहर विधायक रिकेश सेन का बोर्ड लगा हुआ है। भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे हैं। भिलाई स्टील प्लांट ने सांसद और मंत्री रहने के दौरान बंगला मेरे नाम एलॉट किया था। कुछ लोगों के बंगले में ताला तोड़कर घुसने की जानकारी मिली है। बंगले से कौन सा सामान निकाला है, कौन सा सामान रखा है। इस बारे में भिलाई स्टील प्लांट के सीईओ और दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला से बात की है। मकान मेरे नाम पर है। उस पर मेरा कब्जा है।

मंत्री साहू ने आगे कहा- भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन की तरफ से जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को कई बंगले एलॉट किए गए हैं। जो विधायक, सांसद और मंत्री नहीं रहते हुए भी बंगले अब भी उनके कब्जे में हैं। ऐसे में मुझे जो मकान एलॉट है वो बिना मेरी जानकारी के किसी और को कैसे दिया जा सकता है। भिलाई का नियम है कि जब तक वह मकान सरेंडर नहीं करता तब तक जबरदस्ती मकान नहीं लिया जा सकता।

ताम्रध्वज साहू ने भाजपा पर सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार रहने के दौरान कभी दूसरे पूर्व मंत्रियों, विधायकों के साथ ऐसा नहीं किया गया। ऐसे में इस तरह किसी के घर का ताला तोड़कर अंदर घुसना गलत है। छवि खराब करने के लिए भी ऐसा किया जा सकता है।

सिंचाई विभाग की जमीन पर आखिर कैसे मिली खनन की अनुमति?

बालोद। खनिज विभाग के अधिकारी मीनाक्षी साहू ने कहा, शिकायत मिली है, क्योंकि अनुमति हमने दी है इसलिए उसे देखकर कार्रवाई की जाएगी नहीं तो फिर सारा विषय हमारे ऊपर आ जाएगा। वहीं, भाजपा ने भी इस मामले पर जांच की मांग की है कि आखिर भरी बरसात में जलाशय खोदने की अनुमति किसने और क्यों दी। खनिज अधिकारी मीनाक्षी साहू ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने सिंचाई विभाग से अनुमति ली थी।

दरअसल, खोदाई करने की अनुमति जलाशय की बाहर की थी, लेकिन ठेकेदार द्वारा जलाशय के अंदर ही मुख्य टैंक स्थल पर मुरुम का खनन किया जा रहा है। सैंकड़ों ट्रिप मुरुम वहां से निकाल लिया गया है और सिंचाई विभाग द्वारा कुछ दिन पहले भी ठेकेदार को वहां खोदाई करने से मना किया गया था, लेकिन उसने बात नहीं मानी और जलाशय के बीचो-बीच खोदाई कर दी। इस मामले में सिंचाई विभाग के उपअभियंता विशाल राठौर ने बताया कि जब हम जलाशय में काम करवाते हैं तो हम अपने हिसाब से करते हैं, उनके द्वारा जलाशय के मध्य को अवैध रूप से खनन करते हुए बिगाड़ने का काम किया गया है, जिसको लेकर नोटिस भी जारी किया जाएगा।

जलाशय सिंचाई विभाग का कहना है कि खनन की अनुमति यहां पर खनिज विभाग ने दे दी। आखिर यह करिश्मा बालोद जिले में कैसे हो गया, यह भी एक बड़ा सवाल है। पूरे मामले में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश यादव ने कहा कि यहां पर खनिज संसाधनों का बेतहाशा दोहन हो रहा है और इतने बड़े जलाशय को बारिश के दिनों में कैसे खोदने की अनुमति दे दी गई। अनुमति किसने दी है, यह भी जांच का विषय है। जांच के बाद जिम्मेदार लोगों के ऊपर उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

यहां पर मुरुम खनन के लिए किसी तरह की चैन माउंटेन से खोदाई की अनुमति नहीं है। बावजूद इसके ठेकेदार गोपाल रथी द्वारा वहां पर जलाशय के मुख्य टैंक स्थल पर जैन माउंटेन लगाकर मुरुम का खनन किया जा रहा था, जिसे रोकने के लिए सिंचाई विभाग की टीम पहुंची और उनके द्वारा रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अब देखना यह होगा की कार्रवाई खनिज विभाग द्वारा की जाती है या फिर सिंचाई विभाग द्वारा।

शिक्षा के मंदिर में बच्चों पर गिरा छत का प्लास्टर, दो बच्चे पहुंचे अस्पताल

जगदलपुर। जगदलपुर जिले के दरभा विकासखंड के प्राथमिक शाला छोटे गुडरा में स्कूल का छत गिरने से 5 बच्चे घायल हो गए। घायलों को 108 की मदद से पहुंचाया गया। सभी बच्चों का तोकापाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार किया गया। यहां से 2 बच्चों को बेहतर उपचार के लिए डिमरापाल अस्पताल रेफर किया गया। वहीं, 3 बच्चों का प्राथमिक उपचार कर वापस दरभा ब्लॉक भेज दिया गया। फिलहाल सभी बच्चों की हालत स्थिर है।

दरअसल, ये घटना जगदलपुर के दरभा इलाके की है। यहां के प्राथमिक शाला छोटे गुडरा में गुरुवार सुबह 11-12 बजे के बीच स्कूल के छत का प्लास्टर गिर गया। हादसे में 5 बच्चे घायल हो गए। घटना के समय कुल 15 बच्चे स्कूल में थे। घायल बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तोकपाल में भर्ती कराया गया। घायल सभी बच्चों की उम्र 10 वर्ष से भी कम है।जानकारी के मुताबिक घटना के वक्त प्राथमिक स्कूल के बच्चे कक्षा में पढ़ाई कर रहे थे। जानकारी के बाद बच्चों के अभिभावक भी अस्पताल पहुंचे।

घटना की जानकारी के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ ही कलेक्टर विजय दयाराम अस्पताल पहुंचे। फिलहाल सभी बच्चों की हालत पहले से बेहतर है। वहीं, 2 बच्चों को बेहतर उपचार के लिए डिमरापाल अस्पताल रेफर किया गया। बता दें कि इससे पहले भी जिले के कई स्कूलों में कक्षा के वक्त स्कूल के छत का प्लास्टर गिरने से बच्चों को चोट आई है। घायल बच्चों को देखने चित्रकोट के विधायक विनायक गोयल और बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम भी डिमरापाल अस्पताल पहुंचे।

स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड से हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

■ मदिरा परिवहन के टेंडर में गड़बड़ी का आरोप

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में देशी और विदेशी मदिरा परिवहन को लेकर पिछले दिनों टेंडर जारी किया गया था। टेंडर के लिए आवेदन मिलने के बाद निविदा आवंटन किया गया था। लेकिन टेंडर प्रक्रिया में दूसरे नंबर पर रहे याचिकाकर्ता सिंह एंड कंपनी ने निविदा आवंटन में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर किया है। बुधवार को बिलासपुर हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई की।

याचिकाकर्ता सिंह एंड कंपनी, जो कि जोन 1 व जोन 6 में दूसरे स्थान का पात्र आवेदक था, प्रतिवादी मार्केटिंग कॉर्पोरेशन के निर्णय की वजह से निविदा से वंचित रह गया। इस पर सिंह एंड कंपनी ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की और निविदा आवंटन में हुई गड़बड़ी व गलत तरीके से अपात्र कंपनी के पक्ष में जारी निविदा के आदेश को निरस्त करने की मांग की। जिस पर आज छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सुनवाई की और छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, साईराम इंटरप्राइजेस और साई उद्योग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता सिंह एंड कंपनी के प्रोपराइटर रणधीर कुमार सिंह ने 3 जोन की टेंडर प्रक्रिया में भाग लिया था। जिसमें जोन 1 (रायपुर), जोन 4 (उत्तर बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बालोद व नारायणपुर) और जोन 6 (धमतरी, बस्तर, दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर व सुकमा) शामिल हैं। वहीं निजी प्रतिवादी साईराम एंटरप्राइज ने भी जोन 1, जोन 4 और जोन 6 की निविदा में भाग लिया। साथ ही सांई उद्योग ने भी जोन 5 (बिलासपुर) की टेंडर प्रक्रिया में भाग लिया। जबकि दोनों निजी प्रतिवादी एक ही परिवार के सदस्य हैं। इसी कारण मार्केटिंग कॉर्पोरेशन ने सांई उद्योग का आवेदन निरस्त कर दिया। लेकिन आरोप है कि सांईराम एंटरप्राइज को विधि विरुद्ध जोन 1 और जोन 6 की निविदा के आदेश दे दिए गए।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

फल खाने गए दो ग्रामीणों को अचानक लगी गोली

जगदलपुर। नारायणपुर जिले के ग्राम सोनपुर और घमंडी में रहने वाले दो ग्रामीण फल खाने के लिए मंगलवार को घर से दूर नाला के पास जंगल में गए थे। अचानक से ग्रामीणों के पैर और कमर के पास गोली आ लगी, जिसके बाद घायलों को उपचार के लिए नारायणपुर जिला अस्पताल ले जाया गया था। वहां से हालत गंभीर को देखते हुए उन्हें मेकाज रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायल बुधु (45) निवासी सोनपुर ने बताया कि मंगलवार की सुबह रिश्ते में भाई लगने वाले गोरा को फल खाने के लिए जंगल चलने की बात कही। जंगल जाने के बाद अचानक फल खाने के दौरान बुधु के पैर ने एक गोली आ लगी, जिसने पैर को चीर दिया। बुधु की आवाज को सुन पास में खड़े गोरा को भी कमर के पास गोली आ लगी। इसके बाद दोनों ग्रामीण वहीं गिर पड़े। ग्रामीणों का कहना है कि गोली किधर से चली, किसने चलाई उसे नहीं मालूम, लेकिन घटना के कुछ घंटे बाद जंगल आये जवानों ने घायल ग्रामीणों को देखकर उसे बेहतर उपचार के लिए नारायणपुर के जिला अस्पताल ले गए।

एक शिक्षक के भरोसे स्कूल विद्यालय में जड़ा ताला

महासमुंद। महासमुंद जिले की प्राथमिक शाला तेंदुवाही भोरिंग में बच्चों ने तालाबंदी की है। यहां बच्चों ने स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया है। बताया जा रहा है कि बच्चे शिक्षक की कमी को लेकर विरोध जता रहे हैं। वहीं, साथ में बच्चों के अभिभावक भी मौजूद हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले चार वर्षों से स्कूल में एक ही शिक्षक है। व्यवस्था के तौर पर रखे गए शिक्षक की भी वापसी हो चुकी है। पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक सिर्फ एक ही शिक्षक रखा गया है। वहीं, बच्चों की संख्या 60 बताई जा रही है।

पांच पेटी देसी शराब और पांच हजार रुपये किए चोरी

कोरबा। बरबसपुर स्थित देसी शराब दुकान में रात के वक्त चोरों ने चोरी की घटना का अंजाम दिया है। शराब दुकान के पीछे से सेंधमारी कर चोर अंदर घुसे और लगभग पांच पेटी देसी शराब और पांच हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। देसी शराब दुकान में रात के वक्त दो कर्मचारी तैनात थे। सुबह होने पर उन्हें घटनाक्रम की जानकारी हुई और इसकी सूचना संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी को दी गई। इसके अलावा सर्वमंगला चौकी और कुसमुंडा थाना पुलिस को भी सूचना दी गई। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की मानें तो रात दो बजे तक लगभग वह घूम-घूमकर देख रहे थे। देर रात अचानक बारिश बढ़ गई और वह स्टोर रूम पर चले गए। इस दौरान शायद चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया होगा। सुबह होने पर जब पीछे जाकर देखा तो पीछे की दीवार टूटी हुई थी। हालांकि घटना ती सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी से पूछताछ की गई। वहीं, कर्मचारियों का बयान दर्ज किया गया।

सरकारी शराब की दुकान के सुरक्षा गार्ड ने की चोरी

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत देवकर स्थित सरकारी शराब दुकान में एक जुलाई की रात को अज्ञात चोर ने 9 लाख से ज्यादा रुपये की चोरी की। इस मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। सरकारी शराब दुकान के सुरक्षा गार्ड ने ही इस वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी के कब्जे से चोरी की रकम बरामद कर दी गई है। बेरला एसडीओपी तेजराम पटेल ने बताया कि इस मामले में जांच के बाद शराब दुकान के सुरक्षा गार्ड अनिल लहरे पिता पुनऊ राम लहरे उम्र 36 साल को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने घटना की रात करीब 2=18 के बाद चोरी को अंजाम दिया है। इससे पहले आरोपी ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा के केबल को काट दिया था। ताकि, चोरी के संबंध में पता न चल सके। आरोपी को पहले से पता था कि लॉकर में प्रतिदिन की बिक्री रकम को रखा जाता है। पुलिस को शुरू से शराब दुकान के कर्मचारियों के ऊपर भी शक था। यहीं कारण है कि लगातार कर्मचारियों के ऊपर नजर रखी जा रहीं थी व पूछताछ की जा रही थी।

घर का ताला तोड़कर नगदी और जेवरात लेकर चोर फरार

कोरबा। कोरबा के दर्री थाना अंतर्गत पावर सिटी कॉलोनी में चोरी की घटना सामने आई है। जहां चोरों ने एक मकान को निशाना बनाया है। चोर रात के वक्त घर की कुंडी तोड़कर अंदर घुसे और दो लाख की नगदी रकम समेत जेवरात लेकर फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा कि मकान नाथू लाल यादव का है। जहां अमितेश राठौर पिछले सात सालों से किराए पर परिवार सहित रहता है। तबियत खराब होने पर परिवार सहित इलाज कराने बाहर कोरबा आए हुए थे। जहां रात अधिक बारिश होने कारण कोरबा में ही रुक गए। सुबह जब घर पहुंचे तो घर का ताला टूटा हुआ था और अंदर जा कर देखा तो सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। सब सामान फैला मिला। इसकी सूचना तत्काल दर्री थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचे और जांच कार्रवाई शुरू। बताया जा रहा है कि घर के आलमारी में डेढ़ लाख रुपये नगदी रकम और सोने चांदी के जेवरात रखे थे, जिनपर चोरों हाथ साफ किया।

कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए दोबारा होगा चुनाव, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ की राजनीति में हॉट सीट मानी जानी वाली कबीरधाम जिले के कवर्धा नगर पालिका में एक बहुचर्चित मामले के बाद नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा ने अपना इस्तीफा दे दिया था। राज्य में भाजपा की नई सरकार के गठन के बाद नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए गहमा गहमी शुरू हो गई थी। कवर्धा विधायक व डिप्टी सीएम विजय शर्मा के गृह नगर में भाजपा ने नगर पालिका में कांग्रेस पार्षद के बहुतमत होने के बाद भी एक भाजपा के पार्षद को नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया।

इस मामले को लेकर कांग्रेस पार्षद मोहित माहेश्वरी ने हाईकोर्ट की शरण ली। पार्षद मोहित माहेश्वरी ने बताया कि हाई कोर्ट ने शासन द्वारा अध्यक्ष मनोनयन की प्रक्रिया को गलत ठहराते हुए शासन को एक सप्ताह के भीतर चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ करने के आदेश जारी किए है। कोर्ट ने कहा है कि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद पर चुनाव छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 37 के अंतर्गत निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं हो रहा था।

चुनाव तत्काल कराया जाए और सभी तथ्यों के आधार पर निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह सात दिनों के भीतर आवश्यक अधिसूचना जारी कर प्रक्रिया आरंभ करे। हाईकोर्ट से आदेश आने के बाद सभी कांग्रेस पार्षद रायपुर में राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर जल्द से जल्द चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग की है।

झुमका डैम का पानी हो रहा दूषित, कोल माइंस का गंदा पानी बना मुसीबत

कोरिया। कोरिया जिले की शान झुमका डैम इन दिनों गंदे पानी की समस्या से जूझ रहा है। झुमका जलाशय में गंदा पानी जाने से रोकने के लिए 10 करोड़ की लागत से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एसईसीएल ने बनवाया था।ताकि खदान के दूषित पानी को शुद्ध करके उसे जलाशय में मिलाया जाए।लेकिन इसके बाद भी गंदा पानी झुमका जलाशय में पहुंच रहा है।इस पानी में खदान के अंदर से निकलने वाला दूषित पानी भी शामिल है।

पर्यावरण शर्तों के मुताबिक एसईसीएल को चरचा अंडर ग्राउंड माइंस से निकलने वाले गंदे पानी को फिल्टर करके नाला में छोड़ना था।क्योंकि यही पानी नाला में बहकर जिला मुख्यालय सागरपुर स्थित झुमका डेम में मिलता है। लेकिन शिवपुर-चरचा खदान से निकलने वाला गंदा पानी अब भी नाला में बहकर सीधे झुमका डेम में मिल रहा है। इससे ना सिर्फ जलीय जीवन खतरे में है बल्कि ये पानी जानवरों के पीने लायक भी नहीं रह गया है।

झुमका के पानी की गुणवक्ता खराब होने की पुष्टि कोरिया पीएचई विभाग की लैब जांच के दौरान हुआ है। जबकि एसईसीएल अफसरों का कहना है कि झुमका में खदान का पानी नहीं मिल रहा। खदान से निकलने वाले गंदे पानी को एसईसीएल सीएचपी समेत खदान में मशीनी वर्क के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। पहले खदान से निकलने वाले गंदे पानी को सीधे बरसाती नाले में छोड़ा जाता था, लेकिन अब डेम का पानी प्रदूषित नहीं हो रहा है।मामले में कलेक्टर कोरिया विनय कुमार लंगेह ने कहा कि एसईसीएल प्रबंधन से लगातार बात हो रही है।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा अंबिकापुर से आई पर्यावरण विभाग की टीम ने भी इसकी जांच की है। कुछ कमियां हैं जिन्हें दूर करने के लिए एसईसीएल को समय दिया गया है। खदान और निस्तार का पानी झुमका को प्रदूषित न करें इसे लेकर एसईसीएल के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

वहीं चरचावासियों का कहना है कि फूलपुर के रास्ते एसईसीएल के खदानों से निकलने वाला पानी और गंदे नालों का पानी आगे बहकर बांध में मिल रहा है।पानी गंदा होने से किसानों की फसल भी प्रभावित हो रही है

स्थानीय निवासी नंदलाल ने कहा एसईसीएल और नाला का गंदा पानी सीधा बांध के साफ पानी में मिल रहा है।पानी के कारण मवेशी और किसान की फसल भी प्रभावित हो रहे हैं।

आपको बता दें कि एसईसीएल ने एसटीपी का भी निर्माण करवाया है ताकि कॉलोनी और रहवासी क्षेत्र का गंदा पानी बरसाती नालों में ना बहे, लेकिन यह भी अनुपयोगी साबित हो रहा है। बरसाती नालों में अब भी नालों का गंदा पानी बहाया जा रहा है, जो पानी आगे जाकर खदान के पानी के साथ जलाशय को प्रदूषित कर रहा है। ऐसे में अब देखना ये होगा कि प्रशासन के निर्देश को एसईसीएल कितने दिनों बाद अमल में लाता है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने

गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में युग प्रवर्तक और युवाओं के प्रेणास्रोत स्वामी विवेकानंद के पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन किया। श्री साय ने कहा है कि स्वामी जी ने भारतीय दर्शन और आध्यात्म से पूरी दुनिया का परिचय कराया और मानवता के कल्याण का मार्ग दिखाया। छत्तीसगढ़ ने स्वामी जी के उदार, व्यवहारिक और सुधारवादी सिद्धांतों को अपनाया है। स्वामी जी के बचपन का कुछ समय रायपुर में बीता, यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। आज छत्तीसगढ़ स्वामी जी के दिखाए मार्ग और सिद्धांतों को लेकर आगे बढ़ रहा है। गौरतलब है कि स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। वे महान संत श्री रामकृष्ण परमहंस के शिष्य थे।

राज्यपाल से शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्राचार्यों ने सौजन्य भेंट की

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्राप्त करने वाले विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यो ने सौजन्य भेंट की। राज्यपाल ने इन सभी को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए उनकी सराहना की। सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में स्कॉलर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती नीता अवस्थी, वेंकटेश्वर सिग्नेचर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती सौम्या रघुवीर और वाइकन हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती रम्पी बरार शामिल हैं। इन्हें विशाखापटन के गीतम विश्वविद्यालय में आयोजित कॉन्फ्रेंस में एजुकेशन हीरो अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

गुरु घासीदास विवि के कुलपति चक्रवाल भारतीय विवि संघ के सदस्य नामित

बिलासपुर। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल को भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), नई दिल्ली की इक्वीलेंस कमेटी (समतुल्य समिति) का सदस्य नामित किया गया है। कुलपति प्रो. चक्रवाल ने उम्मीद जताई कि उनके अनुभवों का लाभ समिति के कार्यों के सफल संपादन में मिलेगा। समिति के सदस्य के रूप में विदेशों के शिक्षण संस्थानों द्वारा प्रदत्त शोध, प्रोफेशनल उपाधियों एवं फेलो कार्यक्रम आदि की भारतीय शिक्षा के मानकों के अनुरूप समतुल्यता के संबंध में प्राप्त होने वाले समस्त प्रकरणों पर विचार किया जाएगा। समिति में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ प्रख्यात शिक्षाविदों को शामिल किया गया है। समिति भारतीय विश्वविद्यालयों के परिपेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदान की जाने वाली उपाधियों पर कार्य परिषद में निर्णय लेती है। एआईयू की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल द्वारा 2 जुलाई को पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी गई। समिति के नामित सदस्य के रूप में प्रो. चक्रवाल का कार्यकाल 30 जून, 2025 तक रहेगा।

मुख्यमंत्री निवास में जनदर्शन के दौरान लगाया गया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के

राजधानी रायपुर स्थित निवास कार्यालय में गुरुवार को यहां आयोजित सप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। जिसमें डॉक्टरों की टीम द्वारा प्रदेश के दूर-दूराज से आए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया किया जा रहा है और उन्हें निःशुल्क दवाईयां दी जा रही है। साथ ही चिकित्सा परामर्श भी दिया जा रहा है। शिविर के दौरान मरीजों का खून जांच, बी.पी. शुगर एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधित जांच की व्यवस्था की गई है।

रायपुर में 169 पुलिस कर्मियों का तबादला

रायपुर। राजधानी रायपुर के एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने 169 पुलिसकर्मियों का तबादला किया है। जिसमें 2 सब इंस्पेक्टर, 21 एएसआई समेत 100 से ज्यादा हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर पुलिस कर्मचारियों के थानों में बदलाव किया गया है।

मुख्यमंत्री के जनदर्शन में दूसरे सप्ताह भी लोगों में जबरदस्त उत्साह

प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पहुंचे थे लोग, श्रमवीरों के 13 मेधावी बच्चों को मुख्यमंत्री ने सौंपे दो-दो लाख रूपए के चेक

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निवास पर गुरुवार को दूसरे सप्ताह के जनदर्शन कार्यक्रम में भी नागरिकों में जबरदस्त उत्साह रहा। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने और अपने आग्रह-अनुरोध उन्हें प्रत्यक्ष सौंपने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग आए है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्रमवीरों के मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक भी प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने निवास परिसर में अपनी मां के नाम दहीमन के पौधे का रोपण भी किया। मुख्यमंत्री निवास में स्वास्थ्य परीक्षण भी लगाया गया था, जिसका नागरिकों ने लाभ उठाया। आज के कार्यक्रम में अनेक ऐसे लोग मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहने आए थे, जो पिछले जनदर्शन में आए थे और उनके अनुरोधों का तत्काल निराकरण भी हो गया था।

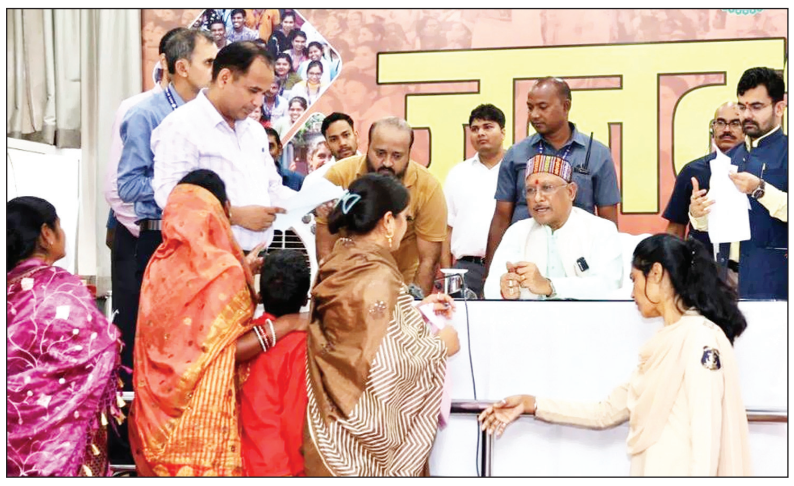

गुरुवार को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 13 बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक दिए गए। इसमें से एक लाख रूपए प्रोत्साहन के रूप में और एक लाख रूपए स्कूटी खरीदने के लिए दिए गए। इन बच्चों ने दसवीं और बारहवीं में 2023-24 के टॉप-10 सूची में स्थान बनाया है। ये सभी श्रमवीरों के बच्चे है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने निवास परिसर में अपनी मां के नाम दहीमन का जो पौधा आज रोपा वह अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। यह पौधा सरगुजा अंचल में पाया जाता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से भी मां के नाम अपने-अपने निवास या गांव में पौधा रोपने की अपील की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हाल के मन की बात कार्यक्रम में लोगों से एक पेड़ मां के नाम मुहिम में शामिल होने की अपील की थी।

इस बार के जनदर्शन में एक दर्जन से ज्यादा ऐसे भी लोग शामिल हुए जो पिछले बार के जनदर्शन में भी आए थे, तब उनके आवेदनों का निराकरण मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल कर दिया गया था। इन लोगों ने त्वरित कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इनमें दिव्यांग भी शामिल थे, जिन्हें श्री साय के निर्देश पर ट्रायसाइकिल और अन्य उपकरण तत्काल उपलब्ध कराए गए थे। आज कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। खून जांच, बीपी की जांच, शुगर और अन्य आम बीमारियों की जांच की सुविधा शिविर में उपलब्ध कराई गई थी। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार सदियों तक लोगों को प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने बागबाहरा वन क्षेत्र में निवासरत कमार परिवारों के बेदखली के मामले की जांच के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित सप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में बागबाहरा वन क्षेत्र के कमार जनजाति परिवारों के आवेदन की सुनवाई की। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को वर्षों से बागबाहरा वन क्षेत्र क्रमांक 88 निवासरत कमार परिवारों को वहां से बेदखल किए जाने के लिए सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा जारी नोटिस की जांच कर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनदर्शन कार्यक्रम में बागबाहरा वन क्षेत्र क्रमांक 88 में निवासरत कमार जनजाति के परिवार के लोग मुख्यमंत्री से बेदखली की कार्यवाही रोकने की फरियाद लेकर पहुंचे थे। श्री अलख राम कमार ने बताया कि उसके सहित 20 कमार परिवारों को उक्त वन क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। कमार परिवारों को वहां से बेदखल किए जाने के लिए नोटिस जारी की गई है। उन्होंने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार वन अधिकार अधिनियम 2006 के पूर्व से 20 कमार परिवार के लोग उक्त वन क्षेत्र में निवास कर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। वर्ष 2008 में ग्राम पंचायत तमोरा द्वारा पेयजल व्यवस्था के लिए वहां बोर खनन कराया गया है। वन अधिकार समिति द्वारा 10 मई 2008 को काबिज परिवारों को पट्टा दिए जाने की भी अनुशंसा की गई है। पट्टा के नाम पर अधिकारियों द्वारा राशि की मांग किए जाने का विरोध करने पर आज पर्यन्त तक उन्हें वन अधिकार पट्टा नहीं दिया गया। कमार परिवारों को प्रताड़ित करने के लिए समय-समय पर बेदखल किए जाने की धमकी और नोटिस दी जाती है, जिससे कमार परिवार के लोग भयभीत है। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए वन विभाग के अधिकारियों को पूरे मामले की जांच कर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए।

झोलाछाप डॉक्टर के शिकार अनुज ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

- **गलत इलाज से अपने 7 वर्षीय पुत्र दीपेश के दिव्यांग होने की सुनाई दास्तान**

रायपुर। मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में आज तिल्दा नेवरा इलाके के ग्राम तुलसी निवासी श्री अनुज बंजारे अपनी पत्नी श्रीमती पूर्णिमा और बेटे दीपेश बंजारे के साथ पहुंचे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि वो तिल्दा के सब्जी मंडी में हमाल का काम करते हैं। 24 अगस्त 2023 को उनके पुत्र का बायां हाथ खेलते हुए फैक्चर हो गया। तुरंत उन्होंने स्थानीय चिकित्सक के क्लिनिक जाकर उसका इलाज करवाया, जहां डॉक्टर ने 1700 रुपए लेकर प्लास्टर किया। आराम ना मिलने पर बेटे को दूसरे अस्पताल ले गए, जहां पता चला कि प्लास्टर गलत तरीके से किया गया है, जिसके कारण हाथ में मवाद और सूजन आ गया है। वहां से रायपुर मेकाहारा रेफर किया गया। बेटे का इलाज के लिए एम्स रायपुर गए तो वहां के डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे का हाथ कभी ठीक नहीं होगा और अब उसका बायां हाथ

काम करना बंद कर दिया है ।

वापिस आकर ईलाज के लिए हम उसी डॉक्टर के पास गए तो उन्होंने 3 माह तक फिजियोथैरिपी करवाने कहा। हमने फिजियोथैरिपी करवाया पर फ़िर भी हाथ में कोई सुधार नहीं हुआ और अब ईलाज से उसने मना कर दिया। मैने डॉक्टर के खिलाफ एफ आई आर कराया है, परंतु अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में तलवारबाजी खिलाड़ी की माँ ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में आज रायपुर, अमलीडीह निवासी तलवारबाजी खिलाड़ी रीवा बेनी की माँ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के पास अपनी बिटिया का आवेदन लेकर पहुंची। उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि मेरी बिटिया का सलेक्शन न्यूजीलैंड में होने वाले कॉमनवेल्थ खेलों के लिए हुआ है, इसमें लगभग चार लाख रुपए की लागत आने की संभावना है। बिटिया का वीजा भी क्लियर हो गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन की तरफ से किसी तरह की मदद मिलती है तो बिटिया के लिए बहुत अच्छा होगा।

मुख्यमंत्री ने पूछा कि बिटिया का अब तक का क्या अचीवमेंट रहा है, इस पर श्रीमती बेनी ने बताया कि बिटिया अभी तक नेशनल में बहुत अच्छा परफॉर्म कर चुकी है। चेन्नई और गोवा में होने वाले नेशनल गेम्स में भी बिटिया ने अच्छा प्रदर्शन किया है। अभी बिटिया पटियाला में साई स्थित केंद्र में तलवारबाजी का प्रशिक्षण ले रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रीवा बेनी की मदद के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए खेल विभाग को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कल आप कलेक्टर रायपुर से मिल लीजिए, वे खेल विभाग के साथ आवश्यक समन्वय कर आपकी हर संभव मदद करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिटिया को मेरा पूरा आशीर्वाद है, तलवारबाजी में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करे, न केवल बिटिया कॉमनवेल्थ में अपितु ओलंपिक खेलों में भी अच्छे प्रदर्शन के माध्यम से छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करे।

भारतमाला परियोजना में ली गई भूमि, अब तक नहीं मिला मुआवजा

रायपुर। मुख्यमंत्री जनदर्शन में आज दुर्ग जिले के हनोदा ग्राम के आनंद साहू भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि 4 साल पहले भारतमाला परियोजना में उनकी जमीन अधिग्रहित की गई, इसका मुआवजा आज तक नहीं मिल पाया है। उन्होंने बताया कि अब सड़क बनने का काम भी शुरू हो चुका है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए भारत माला परियोजना में आने वाली आनंद साहू की जमीन का परीक्षण कर त्वरित राहत दिलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने श्री साहू को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके आवेदन का शीघ्र परीक्षण कर इस पर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा मुआवजा प्रकरणों में शीघ्र कार्रवाई की जाए ताकि नागरिकों को किसी तरह की दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री के निर्देश के पश्चात श्री साहू का आवेदन दुर्ग कलेक्टर को प्रेषित कर दिया गया।

कुनकुरी सदन में रहकर बच्चे के इलाज के लिए दिया आवेदन

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के शासकीय निवास कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में आज अपने बच्चे को लेकर एक आवेदिका श्रीमती शशि वर्मा भी पहुंची। शशि वर्मा ने मुख्यमंत्री से कहा कि बच्चे का इलाज रायपुर में कराना है। मैंने सुना है कि कुनकुरी सदन में इलाज के लिए आए लोगों के लिए रहने की सुविधा आपने दी है तो इसलिए मैं भी आग्रह करने यहां पहुंची हूं। मुख्यमंत्री ने शशि से कहा कि आप बच्चे को लेकर कुनकुरी सदन चले जाइए। कुनकुरी सदन इसलिए ही बनाया गया है ताकि राजधानी में इलाज में किसी तरह की दिक्कत महसूस कर रहे लोगों की सहायता की जाए।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां शुरू, मुख्य सचिव ने ली बैठक

रायपुर। प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर वर्ष की भाति इस वर्ष गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन संबंध में अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तमाम तैयारियों के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड रायपुर में प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा। मुख्य सचिव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है।

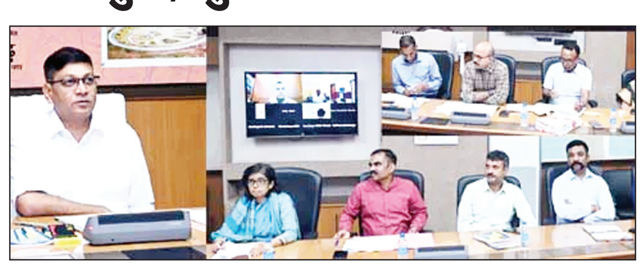

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा। जिसमें पुलिस, सशस्त्र बल और एनसीसी, छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। उप महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा परेड के आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था की जाएगी। स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग इसका समन्वय करेगा। कार्यक्रम के दौरान यातायात पार्किंग ट्रैफिक एवं सुरक्षा व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई इत्यादि की सम्पूर्ण व्यवस्था नगर निगम रायपुर द्वारा की जाएगी। जिला मुख्यालयों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा कलेक्टरों को आवश्यक मार्गदर्शी निर्देश जारी किए जाएंगे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री रेणुजी पिल्ले, अपर मुख्य सचिव धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री सुब्रत साहू, पुलिस विभाग के प्रमुख अधिकारी, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग श्री पी.अन्बलगन, सचिव कृषि श्रीमती शहला निगार, परिवहन विभाग के सचिव श्री एस.प्रकाश, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, सचिव कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा श्री एस.भारतीदासन, सचिव खेल एवं युवा कल्याण श्री हिमशिखर गुप्ता सहित स्कूल शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जनसम्पर्क, गृह, आदिम जाति विकास तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, स्वास्थ्य, संस्कृति सहित अन्य विभागों के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए।

केन्द्रीय वित्त आयोग 11 से राज्य के दौरे पर

- **तीन दिवसीय प्रवास के दौरान राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं और आर्थिक प्रगति सहित अनेक मुद्दों पर होगा विचार-विमर्श**

रायपुर। केन्द्रीय वित्त आयोग 11 से 13 जुलाई तक राज्य के दौरे पर रहेगा। आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद पनगढिया के नेतृत्व में 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल राजधानी रायपुर पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और मंत्रीमण्डल के सदस्य, केंद्रीय वित्त आयोग के साथ राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं, अधोसंरचना विकास तथा आर्थिक प्रगति सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा।

बैठक में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी द्वारा आयोग के समक्ष राज्य के आर्थिक, वित्तीय, अधोसंरचना विकास तथा राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं से संबंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण देंगे। प्रस्तुतीकरण में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ राज्य के गठन उपरांत से अद्यतन प्रगति की स्थिति से आयोग को अवगत कराया जाएगा तथा आने वाले वर्षों में राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की जायेगी। इसके अतिरिक्त राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए विशिष्ट अनुदान संबंधी मांग पत्र भी आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

गौरतलब है कि 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए अनुशंसाएं केन्द्र सरकार को अक्टूबर 2025 तक रिपोर्ट के माध्यम से उपलब्ध करायी जाएगी। आयोग के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल के अंतर्गत अध्यक्ष श्री पनगढिया के साथ आयोग के सदस्य श्री अजय नारायण झा, श्रीमती एनी जॉर्ज मैथ्यू, श्री मनोज कुमार पाण्डा, डॉ. सौम्य कांति घोष तथा आयोग के सचिव श्री ऋत्विक रंजनम पाण्डेय, संयुक्त सचिव श्री कमल कुमार मिश्रा, संयुक्त संचालक श्री राघवेन्द्र सिंह एवं अन्य अधिकारीगण शामिल होंगे।

पुरानी बस्ती को देवभूमि के रूप में विकसित किया जाए : कन्हैया

प्राचीन मठ, मंदिरों का वैभव समेटे है यह क्षेत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में कलेक्टर रायपुर, नगर निगम कमिश्नर और स्मार्ट सिटी लिमिटेड के महाप्रबंधक को ज्ञापन देकर रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुरानी बस्ती को देवभूमि के रूप में विकसित करने की मांग की गई है। रायपुर की प्राचीन विरासत, मठ मंदिरों तालाबों का क्षेत्र पुराने रायपुर का वैभव पुरानी बस्ती ही है। प्राचीन काल से साधु संत पुरानी बस्ती क्षेत्र को छोटी अयोध्या के रूप में पुकारते रहे हैं।

अग्रवाल ने कहा कि पुरानी बस्ती क्षेत्र का योजनाबद्ध तरीके से विकास किए जाने की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के विकास के लिए रायपुर नगर निगम, स्मार्ट सिटी लिमिटेड रायपुर, लोक निर्माण विभाग, धर्मस्व विभाग, पर्यटन विभाग और संस्कृति विभाग के साथ मिलकर संयुक्त प्लानिंग किए जाने की आवश्यकता है। पूरे क्षेत्र की प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करते हुए देवभूमि के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा सकता है ,क्षेत्र को देवभूमि के रूप में विकसित करने से धार्मिक आस्था के सम्मान के साथ ही पर्यटन क्षेत्र के रूप में भी विकसित होगा। पुरानी बस्ती क्षेत्र के चारों ओर पौराणिक और धार्मिक महत्व को प्रदर्शित करते भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाने से क्षेत्र में आने वाले लोगों को देवभूमि का एहसास होगा।

उन्होंने कहा कि पुरानी बस्ती क्षेत्र को पुराना रायपुर माना जाता था। इस क्षेत्र में प्राचीनतम दूधाधारी मठ, जैतू साव मठ, नागरीदास मठ , बुढ़ेश्वर मंदिर, महामाया मंदिर ,शीतला माता मंदिर, बिरंची नारायण मंदिर, दत्तात्रेय मंदिर, नरसिंह मंदिर, हनुमान मंदिर, महादेव मंदिर ,दंतेश्वरी माता मंदिर, बावली वाले हनुमान जी का मंदिर, कंकाली मठ मंदिर सहित बड़ी संख्या में प्राचीन तालाब और मंदिर हैं। इसीलिए पुरानी बस्ती क्षेत्र को प्राचीन समय से छोटी अयोध्या के रूप में साधु संतों के बीच में जाना जाता है उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी आंदोलन का केंद्र पुरानी बस्ती क्षेत्र में रहा है जहां जैतू साव मठ में महात्मा गांधी का भी आगमन हुआ था।

ऐतिहासिक धार्मिक और पौराणिक महत्व के क्षेत्र को शीघ्रताशीघ्र देव भूमि के रूप में विकसित करने हेतु शासन प्रशासन के स्तर पर निर्णय लिया जाना चाहिए। ज्ञापन देने गए प्रतिनिधि मंडल में कन्हैया अग्रवाल,सुरेश बाफना, राजेश केडिया, संतोष बाघमार,, मनोज पाल, पिंटू बैद ,शरद गुप्ता, मुकुंद कागदेलवार, राजेश त्रिवेदी शामिल थे।

ढिल्लन व अरविंद सिंह 6 जुलाई तक ईडी की रिमांड पर

रायपुर। 2161 करोड़ के शराब घोटाले में एक बड़ी कार्रवाई के तहत ईडी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें भिलाई निवासी शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन और अरविंद सिंह शामिल हैं। दोनों को विशेष पीएमएलए कोर्ट ने छह जुलाई तक रिमांड पर ईडी को सौंपा है। ईडी ने अरविंद को दूसरी बार गिरफ्तार किया है। जबकि त्रिलोक पहली बार ईडी की गिरफ्त में आया है। पूर्व में जांच के दौरान ईडी ने कई बार त्रिलोक के घर में दबिश दी लेकिन वह फरार होते रहा। दो माह पहले ही उसे ईओडब्ल्यू ने गोवा से गिरफ्तार किया था।

।। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.) ।।

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202406230300056/113/अ-2/ वर्ष 2023-24

एतद सर्वसाधारण ग्राम/नगर पीपरभट्ठा तहसील व जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका एपेन्द्र पिता रामजी निवासी पिपरभट्ठा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा ग्राम/नगर पिपरभट्ठा प.ह.नं. तहसील व जिला बेमेतरा स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 950 रकबा 0.92 हे. भूमि को औद्योगिक प्रजोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र शपथ पत्र, बी-1, खसरा, स्टाम्प की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11.07.2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त अपात्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.06.2024 को मेरे स्वयं के इस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

क्या आपसी भिड़ंत से आगे भी बढ़ेगी संसद

राज कुमार सिंह

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हुई चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तर से साफ है कि चुनाव के एक महीने बाद भी दोनों पक्ष चुनावी मानसिकता से नहीं उबर पाए हैं। अन्य वक्ता भी इस सोच से मुक्त नहीं दिखे। पिछली दो लोकसभाओं में सत्ता पक्ष का जबरदस्त बहुमत था। 2014 में 16वीं लोकसभा में भाजपा ने तीन दशक लंबे अंतराल के बाद अकेले दम बहुमत हासिल कर सबको चौंका दिया था। वहीं, 17वीं लोकसभा में उसकी सीटें बढ़कर 303 हो गईं। फिर भी उसने एनडीए सरकार बनाकर दूरदर्शिता का परिचय दिया। लेकिन, दोनों ही लोकसभाओं में नेता प्रतिपक्ष की अनुपस्थिति से सत्तापक्ष और विपक्ष के रिश्तों में खटास का अंदाजा लगाया जा सकता है। लंबे अरसे से लोकसभा में डेप्युटी स्पीकर पद विपक्ष को देने की भी परंपरा रही। 16वीं लोकसभा में भाजपा ने यह पद अपने मित्र दल एआईएडीएमके को दिया तो 17वीं लोकसभा में यह संवैधानिक पद खाली ही रह गया। इस बार भाजपा ने ओम बिड़ला को ही स्पीकर बनाना पसंद किया है। डेप्युटी स्पीकर पद पर अभी तक खामोशी है। विपक्ष ने साफ कहा है कि अगर उसे परंपरा के अनुरूप डेप्युटी स्पीकर पद नहीं मिला तो वह अयोध्या से जीते अवधेश प्रसाद को उम्मीदवार बनाएगा। चुनाव परिणामों से हार-जीत का फैसला हो जाने के बाद भी सत्तापक्ष और विपक्ष परस्पर शक्ति परीक्षण का कोई मौका चूकते नहीं दिख रहे। नई लोकसभा का पहला सत्र इसका प्रमाण रहा। पहले तो नीट में हुए कथित घोटाले पर चर्चा को लेकर लोकसभा में हंगामा हुआ। बाद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई तो देश-समाज के ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर विमर्श के बजाय एक-दूसरे पर राजनीतिक निशाने साधे गए। ऐसा लगा कि दोनों पक्ष चुनाव प्रचार की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं या फिर इसी साल अक्तूबर में होने वाले हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड तथा अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गए हैं। लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर लगभग 18 घंटे की चर्चा देश-समाज के सरोकारों से परे दोनों पक्षों के राजनीतिक निहितार्थों पर केंद्रित रही, जो संसदीय लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं। चार जून को आए लोकसभा चुनाव परिणाम किसी भी पक्ष की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे। ज्यादातर राजनीतिक प्रेक्षकों का आकलन रहा कि जनता ने सत्तापक्ष को नियंत्रण में लाते हुए और विपक्ष को ताकत देते हुए परस्पर समन्वय से संसद और सरकार चलाने का जनादेश दिया है। लेकिन, संसद में आचरण-व्यवहार से नहीं लगता कि दोनों में से कोई भी पक्ष ऐसा करने के मूड में है। नई लोकसभा के पहले ही सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे के प्रति उपेक्षापूर्ण और असम्मानजनक व्यवहार दिखाया है। इससे आशंकाएं गहराने लगी हैं कि संसद कहीं और पांच साल दलों और नेताओं की कटुता और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की बंधक तो नहीं बनी रहेगी? राष्ट्रपति का अभिभाषण केंद्र सरकार तैयार करती है। स्वाभाविक ही उसमें सरकार की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं का गुणगान होता है, पर दलों और उनके सांसदों से अपेक्षा की जा सकती है कि वे उस पर चर्चा करते हुए भी देश-समाज के समक्ष मौजूद ज्वलंत मुद्दों से मुंह न चुराएं। दो लोकसभाओं के बाद इस बार राहुल गांधी के रूप में सदन को नेता प्रतिपक्ष मिला। धन्यवाद प्रस्ताव पर एक जुलाई को उनके डेढ़ घंटे से भी लंबे भाषण की चर्चा भी बहुत है। राहुल की राजनीतिक समझ, भाषण शैली और आत्मविश्वास में सुधार दिखता है। लेकिन, क्या उसके लिए पीएम मोदी और भाजपा पर तल्ख भाषा और चुनाव प्रचार की शैली में हमले करना जरूरी था? हिंदू होने, न होने का प्रमाणपत्र बांटने के लिए तो संसद नहीं है।

कांग्रेस का हिंदू विरोधी चेहरा बेनकाब

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग गठबंधन सरकार के तीसरे कार्यकाल के प्रथम संक्षिप्त संसद सत्र का समापन हो चुका है। नियमानुसार इस सत्र में माननीय राष्ट्रपति जी ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित किया। ये सत्र विपक्ष और मुख्यत: कांग्रेस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। दस वर्षों के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष बनने का अवसर मिला है। संसदीय परम्परा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद एक बहुत ही जिम्मेदरी का पद होता है और कांग्रेस ने ये जिम्मेदारी अपने नेता राहुल गांधी को दी। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि अब राहुल गांधी एक सदन के अंदर और बाहर एक परिपक्व राजनेता की तरह व्यहार करेंगे विभिन्न मुद्दों पर गम्भीरता के साथ बहस करेंगे, समस्याओं के उचित समाधान की बात करेंगे किंतु दस वर्षों के बाद भी 99 सीट लेकर नेता प्रतिपक्ष बने राहुल गांधी ने अपने पहले ही भाषण और पहले ही सत्र के आचरण से न केवल देश को निराश किया अपितु कांग्रेस के वास्तविक शुभ चिंतकों में भी निराशा दिखी।

सर्वप्रथम राहुल गांधी और उनके नये मित्र सपा नेता सांसद अखिलेश यादव ने शपथ ग्रहण के दौरान क्रमश: लाल व नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति हाथ में लेकर बता दिया कि आगामी दिनों में वह झूठे नैरेटिव वाली राजनीति करने जा रहे हैं। बाद में उनके सांसदों ने भी उनकी नीति का अनुसरण किया।वरिष्ठ और पढ़े लिखे माने जाने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी जय संविधान का नारा लगाया।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी चुनावी मोड में ही रहे और बिना तथ्यों का वही भाषण दिया जो वो अपनी चुनावी रैलियों में दिया करते थे। अंतर इतना ही हुआ कि सदन के अन्दर भाषण देते हुए वो इतने उत्तेजित हो गए कि भाजपा व संघ पर हमला करने के प्रयास में संपर्ण हिंदू समाज को ही हिंसक कह बैठे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बहुत ही उन्मादी तरीके से कहा कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वह लोग चौबीसों घंटे केवल हिंसा करते हैं, नफरत फैलाते हैं और झूठी बाते करते हैं। यही नहीं राहुल गांधी अपने भाषण के दौरान भगवान शिव जी की एक तस्वीर को बार -बार सदन

के अंदर दिखाते थे और फिर उसे उल्टा रख देते थे ऐसा उन्होंने संसद में कई बार किया। इतना ही नहीं उन्होंने शिव जी और उनकी अभय मुद्रा की अद्भुत व्याख्या तक कर डाली, ऐसा करके राहुल गांधी ने न सिर्फ भगवान शिव का अपमान किया अपितु भारत की मूल आत्मा व संविधान के सभी नियमों का भी घोर उल्लंघन करते हुए अपने 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट बैंक को प्रसन्न करने के लिए 100 करोड़ से अधिक हिन्दू जनमानस व उनकी आस्था का घोर अपमान कर डाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अविलम्ब संज्ञान लेकर इसका विरोध दर्ज कराया और कहा कि यह एक बहुत ही गम्भीर मामला है। संसद में ही किसी धर्म को हिंसक कहना एक बहुत बड़ा अपराध है और संविधान विरोधी कृत्य है।

राहुल गांधी का यह हिन्दू विरोधी बयान सामने आते ही संपूर्ण भारत के हिंदू समाज में आक्रोष की स्वाभाविक लहर दौड़ गई। संपूर्ण भारत में राहुल गांधी व कांग्रेस के विरोध में प्रदर्शन हुए। राहुल गांधी के पोस्टरों पर कालिख पोती गई। राहुल गांधी भगवान शिव का चित्र लहराते समय यह भूल गये कि भगवान शिव के प्रति हिंदू जनमानस में गहरी आस्था है । भगवान शिव का दर्शन किया जाता है उनका प्रदर्शन नहीं किया जाता है। ऐसा प्रतीत होता है राहुल गांधी का भाषण कांग्रेस के भीतर गहरे तक जड़ जमाए हिन्दू घृणा का प्रस्फुटन था।

राहुल गांधी का यह भाषण हिन्दुओं के विरुद्ध बड़े षड्यंत्र का संकेत दे रहा है जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में इसका कड़ा प्रतिकार करते हुए किया और यह भी कहा कि कहा यह देश इन बातों को लम्बे समय तक भूलने वाला नही है। वस्तुत: राहुल गांधी का भाषण कहीं न कहीं चर्च से प्रेंरित लगता है क्योंकि चर्च व उसकी प्रार्थना सभाओं में भी हिन्दुओं को सनातन से दूर ले जाने के लिए इसी प्रकार की हरकतें की जाती हैं। कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेताओं ने लोकसभा चुनावों के दौरान व उसके पूर्व से ही हिन्दुओं के विरुद्ध घृणा भरा अभियान चलाया था। कांग्रेस सहयोगी द्रमुक ने हिन्दुओं की तुलना डेंगू, मलेरिया से की थी और हिन्दुओं के पूरी तरह उन्मूलन करने की बात कही थी और कांग्रेस व गांधी परिवार द्रमुक नेताओं के पीछे खड़ा होकर उन्हें शक्ति दे रहा था द्रमुक नेता लोकसभा चुनावों के पहले जो बयान दे रहे थे उसके लिए उन्हें कांग्रेस के गांधी परिवार का ही संरक्षण प्राप्त था। राहुल गांधी के हिन्दू विरोधी बयानों का बिहार के तेजस्वी यादव और महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे जैसे नेता समर्थन कर रहे हैं, इसमें तेजस्वी यादव के साथ राहुल गांधी सावन के महीने में मछली ङ्कमटन की दावत का प्रदर्शन करके हिन्दू समाज को चिढ़ाने का कार्य करते हैं।

राहुल गांधी को समझना चाहिए कि हिंदू समाज हिंसक होता तो वो सदन में खड़े होकर ऐसे अपशब्द नहीं बोल पाते। हिंदू समाज सदा से सहिष्णु रहा है और यही कारण रहा है कि आज भी भारत में लोकतांत्रिक परम्परायें और मूल्य जीवित हैं। यह हिन्दू समाज का धैर्य है कि राहुल गांधी सदन में खडे होकर समस्त हिंदू समाज को हिंसक कहने का साहस जुटा पा रहे हैं और हिन्दुओं के आराध्य भगवान शिव का अनादर कर रहे हैं। राहुल गांधी की हरकतों से आज संपूर्ण हिंदू समाज उसी प्रकार आहत है जैसे कांग्रेस के भगवान राम काल्पनिक कहने के समय था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कहना बिल्कुल सत्य है कि हिन्दू जनमानस को यह देखना होगा कि यह एक संयोग है या फिर कोई खतरनाक प्रयोग किया गया है।

हिन्दुओं से घृणा ही कांग्रेस का इतिहास है। वो सदा ही हिंदुओं को द्वितीय श्रेणी का नागरिक मानती रही है। वर्ष 2010 में तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदम्बरम ने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था, वहीं 2013 में उस समय के गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने इसी बात को दोहराया था। राहुल गांधी ने 2021 में कहा था कि हिंदुत्ववादियों को देश से बाहर निकाल देना चाहिए। मुंबई हमलों में तो कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को बदनाम ही कर डाला था। कांग्रेस के एक और पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल ने एक बार गीता पर बयान देते हुए कहा था कि यह पुस्तक हिंसा और नफरत सिखाती है। राहुल गांधी ने तो समस्त धार्मिक हिन्दुओं पर लांछन लगाते हुए कहा था कि लोग मंदिरों में लड़कियां छेड़ने के लिए जाते हैं।

संकर मजहब वाले राहुल गांधी को संभवत: यह पता नहीं है कि हिन्दुत्व भारत की आत्मा है। हिन्दुत्व विश्व बंधुत्व का पोषक है। हिन्दुओं को हिंसक कहना कांग्रेस की हिन्दुओं के प्रति घृणा का साक्ष्य है। हिंदू समाज पूरे विश्व में अपनी सहनशीलता और सज्जनता के लिए जाना जाता है। हिंदुओं ने हमेशा शांति का पाठ पढ़ा और पढ़ाया है। हिंदू धर्म ने अपने प्रचार प्रसार के लिए कभी भी कहीं भी किसी ने हिंसा, घृणा और असत्य का सहारा नहीं लिया है। हिंदू धर्म तो प्रत्येक जीव में समान ईश्वरीय चेतना देखता है, यहां तक कि पेड़ङ्कपौधों नदी पर्वत की भी पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में सदा धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो और विश्व का कल्याण होका उद्घोष किया जाता है। ऐसा धर्म हिंसक कैसे हो सकता है?

राहुल गांधी एक बड़े षड्यंत्र के तहत हिंदुओ को हिंसक सिद्ध करने का आधार तैयार कर रहा है। राहुल गांधी ने संसद के अंदर और वह भी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिंदू समाज को हिंसक कहा है जो पूर्णतया अक्षम्य है। राहुल गांधी परोक्ष रूप से गजवा-ए-हिंद के लिए जमीन तैयार कर रहा है। यहां पर यह बात ध्यान देने योग्य है कि केरल में पीएफआई कांग्रेस का समर्थन कर रही है और वायनाड में पीएफआई ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। द्रमुक और कांग्रेस साथी हैं। पश्चिम बंगाल में जगह जगह शरिया कोर्ट लगवाने वाली ममता कांग्रेस के साथ हैं। राहुल गांधी का यह बयान हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा के इरादे की घोषणा है। चुनाव परिणाम आने से पूर्व ही राहुल गांधी ने देश में आग लगाने की बात कही थी और एक बार फिर अपने सदन के संबोधन के माध्यम से एक प्रकार फिर हिंदू विरोधी ताकतों को एकत्र करने का प्रयास किया है। हिंदुत्व के पुरोधा नरेन्द्र मोदी जी ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को लगातार तीसरी बार पराजित किया है यह बात गांधी परिवार स्वीकार नहीं कर पा रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

हंसोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

जिस प्रकार तिल में तेल और काष्ठ में अग्नि संव्याप्त रहती है। उसी प्रकार समस्त शरीरों में व्याप्त होकर यह जीव हंस-हंस इस प्रकार जप करता रहता है। इसे जानने के पश्चात् जीव मृत्यु से परे हो जाता है।

(हंस ज्ञान का उपाय) सर्वप्रथम गुदा को खींचकर आधार चक्र से वायु को ऊपर उठा करके स्वाधिष्ठान चक्र की तीन प्रदक्षिणाएँ करे, तदुपरांत मणिपूरक चक्र में प्रवेश करके अनाहत चक्र का अतिक्रमण करे। इसके पश्चात् विशुद्ध चक्र में प्राणों को निरुद्ध करके आज्ञाचक्र का ध्यान करे, फिर ब्रह्मरंध्र का ध्यान करना चाहिए। इस प्रकार ध्यान करते हुए कि मैं त्रिमात्र आत्मा हूँ। योगी सर्वदा अनाकार ब्रह्म को देखता हुआ अनाकारवत् हो जाता है अर्थात् तुरीयावस्था को प्राप्त हो जाता है।

वह परमहंस अनन्तकोटि सूर्य सदृश प्रकाश वाला है, जिसके प्रकाश से सम्पूर्ण जगत् संव्याप्त है।

उस (जीव भाव सम्पन्न) हंस की आठ प्रकार की वृत्तियाँ हैं। हृदय स्थित जो अष्टदल कमल है, उसके विभिन्न दिशाओं में विभिन्न प्रकार की वृत्तियाँ विराजती हैं। इसके पूर्व दल में पुण्यमति, आग्नेय दल में निद्रा और आलस्य आदि, दक्षिणदल में क्रूरमति, नैर्ऋत्य दल में पाप बुद्धि, पश्चिमदल में क्रीड़ा वृत्ति, वायव्य दल में गमन करने की बुद्धि, उत्तर दल में आत्मा के प्रति प्रीति, ईशान दल में द्रव्यदान की वृत्ति, मध्य दल में वैराग्य की वृत्ति, (उस अष्टदल कमल के) केसर (तन्तु) में जाग्रदवस्था, कर्णिका में स्वप्नावस्था, लिङ्ग में सुषुप्तावस्था होती है। जब वह हंस (जीव) उस पद्म का परित्याग कर देता है, तब तुरीयावस्था को प्राप्त होता है। जब नाद उस हंस में विलीन हो जाता है, तब तुरीयातीत स्थिति को प्राप्त होता है।

क्रमश: ...

राजनीति के मौसम वैज्ञानिक कहे जाते थे रामविलास पासवान

अनन्या मिश्रा

देश के प्रमुख दलित नेताओं में शुमार रहे राम विलास पासवान की आज यानी की 5 जुलाई को बर्थ एनिवर्सरी है। पासवान न सिर्फ बिहार की राजनीति बल्कि केंद्र की राजनीति में भी सक्रिय थे। हालांकि उनके बाद अब बेटे चिराग पासवान राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। राम विलास पासवान के पास राजनीति का अच्छा-खासा तजुर्बा था। वह देश के पहले ऐसे नेता थे। जिन्होंने अपने राजनीतिक करियर में 6 प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया था। इसीलिए उन्हें राजनीति का 'मौसम वैज्ञानिक' भी कहा जाता था। 'मौसम वैज्ञानिक' कहे जाने के पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है। वह राजनीति के एक माहिर खिलाड़ी थे।

बता दें कि बिहार के खगड़िया जिले में 5 जुलाई 1946 को पूर्व एलजेपी अध्यक्ष राम विलास पासवान का जन्म हुआ था। पासवान को राजनीति विरासत में नहीं मिली थी। इसे उन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर पाया था। वह काफी मिलनसार स्वभाव के थे।

जिसके चलते उनकी हर दल में अच्छी पैठ थी। राम विलास पासवान बचपन से पढ़ाई-लिखाई में काफी तेज थे। जिसके चलते उन्होंने बिहार प्रशासनिक सेवा की परीक्षा पास कर ली।

इसके बाद वह साल 1969 में डीएसपी बनें। राजनीति में आने का किस्सा बताते हुए राम विलास पासवान ने एक बार बताया था कि साल 1969 में जब वह डीएसपी बनने के साथ ही एमएलए चुने गए। तो इस दौरान उनके एक दोस्त ने उनसे सवाल किया कि क्या वह सरकार बनना चाहते हैं या नौकर बनना चाहते हैं। इसी सवाल के बाद उन्होंने राजनीति में आने का फैसला कर लिया। साल 1969 में वह पहली बार सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर विधायक बने थे। इस दौरान उन्होंने खगड़िया जिले की सुरक्षित सीट अलौती से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। यहीं से पासवान के राजनीतिक सफर की शुरूआत हो गई। जिसके बाद उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी का गठन किया।

राम विलास पासवान चुनाव से पहले ही जान जाते थे कि कौन सी पार्टी की हवा चल रही है और कौन सी पार्टी सत्ता में आने वाली है। इसी माहौल को देखते हुए वह किसी न किसी पार्टी से गठबंधन कर हर बार सरकार में बने रहते थे। इसी कारण वह इकलौते ऐसे राजनेता है, जिन्होंने 6 प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया था। शायद ही कोई ऐसा मौका रहा हो, जब वह केंद्र सरकार में शामिल न रहे हों। फिर चाहे यूपीए की सरकार रही हो या फिर एनडीए की या फिर तीसरे मोर्चे की। राम विलास पासवान ने सभी सरकारों में मंत्री पद पर रहे। बताया जाता है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने पहली बार पासवान को राजनीति का मौसम वैज्ञानिक कहकर संबोधित किया था। साल 1989 में वह पहली बार वीपी सिंह की सरकार में मंत्री बनें। फिर साल 1996 में एचडी देवगौड़ा और गुजराल सरकार में रेल मंत्री के पद पर रहे। वहीं साल 1999 में वह बाजपेयी के नेतृत्व में बनी एनडीए सरकार में संचार मंत्री बने और साल 2004 में मनमोहन सिंह की सरकार में भी मंत्री रहे।

भारत-विरोधी अमरीकी रिपोर्टों का सच

बलबीर पुंज

गत दिनों कुख्यात अमरीकी अंतर्राष्ट्रीय मजहबी स्वतंत्रता आयोग (यू.एस.सी.आई. आर.एफ.) की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई। 26 जून को जारी हुई इस रिपोर्ट में भारत में मतांतरण विरोधी कानूनों, नफरती भाषणों और अल्पसंख्यकों के कथित 'उत्पीडऩ' आदि पर 'चिंता' जताई गई है।

गत दिनों कुख्यात अमरीकी अंतर्राष्ट्रीय मजहबी स्वतंत्रता आयोग (यू.एस.सी.आई. आर.एफ.) की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई। 26 जून को जारी हुई इस रिपोर्ट में भारत में मतांतरण विरोधी कानूनों, नफरती भाषणों और अल्पसंख्यकों के कथित 'उत्पीडऩ' आदि पर 'चिंता' जताई गई है। इससे 2 दिन पहले अमरीकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी इन आरोपों को एक प्रैसवार्ता में दोहराया था। इस रिपोर्ट में नागरिक संशोधन अधिनियम (सी.ए.ए.), कई एन.जी.ओ. की भारत सरकार द्वारा विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफ.सी.आर.ए.) पंजीकरण रद्द करने और तीस्ता सीतलवाड़ का भी जिक्र है।

यह वही तीस्ता सीतलवाड़ हैं, जिनके खिलाफ शीर्ष अदालत ने ही गुजरात दंगा मामले (2002) में झूठी कहानी गढऩे और फर्जी गवाही दिलाने के आरोप में मुकद्दमा चलाने का आदेश दिया था। यह दुखद है कि इस प्रकार की भारत-विरोधी रिपोर्टों को जारी करने वाले संगठनों की विश्वसनीय और ईमानदार जांच नहीं की जाती। इस अमरीकी आयोग ने भारत को जिन देशों के साथ 'विशेष ङ्क्षचता वाले देश' की सूची में वर्गीकृत किया है, उसमें घोर इस्लामी पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सऊदी अरब, ईरान के साथ वामपंथी चीन, उत्तर कोरिया और क्यूबा जैसे देश भी शामिल हैं।

अब साम्यवादी शासन देशों में कैसे मानवाधिकारों को कुचला जाता है और कैसे इस्लामी गणराज्य में 'काफिर-कुफ्र-शिर्क' अवधारणा से प्रेरित होकर अल्पसंख्यकों का झकझोर देने वाला

उत्पीडऩ किया जाता है-इसकी विस्तृत और मुखर चर्चा, तथ्यों के साथ इस कॉलम में कई बार की जा चुकी है। सच तो यह है कि भारत वाम-समाजवाद और इस्लामी कट्टरता का सबसे बड़ा शिकार है। अनादिकाल से बहुलतावाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र, भारतीय सनातन संस्कृति का प्रतिबिम्ब रही है। सदियों पहले स्थानीय हिन्दू शासकों और समाज द्वारा पारसियों, यहूदियों, ईसाइयों और मुसलमानों आदि का स्वागत करना, इसका प्रमाण है। इस समरसता पर प्रहार तब हुआ, जब अब्राहमिक एकश्वेरवाद के नाम पर स्थानीय हिन्दू, बौद्ध और सिख आदि का खून बहाया गया। उनके सैंकड़ों पूजास्थल तोड़े गए और उनकी महिलाओं की अस्मत तक लूट ली गई। कालांतर में उसी सनातन भारत का इस्लाम के नाम पर विभाजन हो गया, जिसमें औपनिवेशिक ब्रितानियों और वामपंथियों ने निर्णायक भूमिका निभाई।

इसी वैचारिक कॉकटेल से सजा यू.एस.सी.आई.आर.एफ. मजहबी स्वतंत्रता पर रिपोर्टिंग करने के नाम पर भारत की छवि को कलंकित कर रहा है। इसमें भारत-विरोधी रिपोर्ट तैयार करने वाले लोग कौन हैं, यह इस संगठन की वैबसाइट में उपलब्ध जानकारी से साफ है। इसमें एक सिविल राइट्स वकील अनुरीमा भार्गव का भी नाम है, जो दिसम्बर 2018 से मई 2020 के बीच इस अमरीकी आयोग की अध्यक्षता कर चुकी हैं। अनुरीमा 'ओपन सोसायटी फाऊंडेशन की सदस्य हैं, जिसके संस्थापक जॉर्ज सोरोस वर्ष 2020 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति भी अपनी घृणा का मुखर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह दिलचस्प है कि उसी समय से यू.एस.सी.आई.आर.एफ. अपनी पक्षपाती रिपोर्ट में भारत को विशेष ङ्क्षचता वाले देश के रूप में पेश कर रहा है। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं। इससे पहले 'वर्ल्ड इनइक्वालिटी लैब' ने अपनी रिपोर्ट में मोदी सरकार को 'अधिनायकवादी' बताते हुए देश में 'समानता' बढऩे का आरोप लगाया था। कुछ-कुछ ऐसा ही निष्कर्ष ब्रितानी ए.जी.ओ. ऑक्सफैम का भी था, जिसके पदाधिकारियों और कर्मचारियों पर डेढ़ दशक पहले आपदाग्रस्त कैरेबियाई देश हैती में चंदे के पैसे से अपनी वासना को शांत करने, सहायता के बदले भूकम्प पीड़ित महिलाओं से यौन-संबंध बनाने और बच्चों का यौन-उत्पीडऩ करने का आरोप साबित हो चुका है।

स्वयं इंगलैंड के हाऊस ऑफ कॉमन्स (संसद) ने इसकी पुष्टि की थी। कोई आश्चर्य नहीं कि उसी ऑक्सफैम की रिपोर्ट को भारत के एक बड़े वर्ग ने बिना प्रश्न पूछे स्वीकार कर लिया था। वास्तव में, यह मानसिक तौर पर औपनिवेशिक गुलामी का प्रतीक है, जिसमें अक्सर गोरी चमड़ी वाले के सामने बौद्धिक समर्पण कर दिया जाता है। इस पृष्ठभूमि में क्या भारत में किसी ने 'वर्ल्ड इनइक्वालिटी लैब' रिपोर्ट बनाने वालों को जांचा-परखा? जिन सर्वेक्षणों के आधार पर इसे तैयार किया गया है, उसमें 'हुरन' नामक संस्था भी शामिल है, जिसका मुख्यालय चीन स्थित शंघाई में है। रूपर्ट हुगेवर्फ इसके संस्थापक हैं, जिन्हें उनके चीनी नाम हुरन से भी जाना जाता है। वही भारत में 'हुरन' ईकाई का संचालन मुंबई स्थित अनस रहमान जुनैद करते हैं।

पाखंड देखिए कि जो हुरन चीन में स्थापित है, जहां कम्युनिस्ट तानाशाही के तहत मानवाधिकारों का भीषण हनन होता है, वह भारत में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई मोदी सरकार को 'अधिनायकवादी' बता रहा है और भारतीय राजनीति-मीडिया का एक वर्ग उसे अंतिम सत्य मानकर हाथों-हाथ उठा रहा है। वह भी तब, जब दुनिया की विश्वसनीय संस्थाएं- विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) भारत में गरीबी घटने से संबंधित शोधपत्रों को पेश कर चुकी हैं, तो नीति आयोग बीते एक दशक में लगभग 25 करोड़ भारतीयों के अत्यंत गरीबी की श्रेणी से बाहर निकलने का दावा कर चुका है।

इनसे पहले भी ऐसी कई रिपोर्टें सामने आई थीं, जिनका निष्कर्ष पहली नजर में हास्यास्पद लग रहा था। फिर भी उसे भारतीय मीडिया और राजनीतिक वर्ग के हिस्से ने सिर-आंखों पर बैठा लिया। वर्ल्ड हैप्पीनैस रिपोर्ट (2024) में भारत को 126वें स्थान पर रखने के साथ बदहाल लीबिया, ईराक, फिलिस्तीन, यूक्रेन, पाकिस्तान आदि देशों से पीछे बताया गया है। यही नहीं, वर्ष 2023 के 'ग्लोबल हंगर इंडैक्स' में बंगलादेश के साथ आर्थिक रूप से लकवाग्रस्त पाकिस्तान और श्रीलंका को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति भारत से कहीं आगे बताया गया था। इसी तरह ब्रितानी 'थॉमसन रॉयटर्स फाऊंडेशन' ने अपने सर्वेक्षण (2018) में भारत को महिलाओं के लिए दुनिया का सबसे खतरनाक देश घोषित कर दिया था और वह भी केवल 550 लोगों की राय लेकर। सच तो यह है कि इस प्रकार के बेहूदा निष्कर्ष किसी बौद्धिक दिवालियापन का नतीजा नहीं होते। इसे सोची-समझी रणनीति के तहत गढ़ा जाता है, जिसमें भारत-विरोधी एजैंडे की पूर्ति के लिए स्थापित तथ्यों को काट-छांटकर उसे पूर्वाग्रह के सांचे में ढालकर परोस दिया जाता है। अमरीका और उसके पश्चिमी सहयोगी आज भी शेष विश्व पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास जारी रखे हुए हैं। आधुनिक युग में इस हिमाकत को 'नव-औपनिवेशवाद' कहा जाता है।

आज का इतिहास

1986 गुडविल गेम्स मास्को में आयोजित किए गए।
1987 द ब्लैक टाइगर्स ऑफ़ लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम ने श्रीलंका की सेना के खिलाफ नेल्लीडीह में पहली आत्मघाती बमबारी की।
1989 यूनाइटेड स्टेट्स नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सदस्य ओलिवर नॉर्थ को ईरान-कॉन्ट्रा अफेयर के मामले में दोषी ठहराया गया था।
1995 आर्मेनिया गणराज्य ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता के चार साल बाद अपना संविधान अपनाया था। आर्मेनिया यूरेशिया में दक्षिण काकेशस क्षेत्र में एक पहाड़ी देश है। यह पश्चिमी एशिया में स्थित है।
1996 डॉली भेड़ एक वयस्क कोशिका से क्लोन किया गया पहला स्तनपायी बन गया। डॉली एक महिला घरेलू भेड़ थी और एक वयस्क दैहिक कोशिका से क्लोन किया जाने वाला पहला जानवर था। यह परमाणु हस्तांतरण की प्रक्रिया का उपयोग करके किया गया था।
1999 संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा तालिबान पर प्रतिबंध की घोषणा।
2003 सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निहित होने की घोषणा की।
2004 इंडोनेशिया ने अपना पहला प्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव आयोजित किया, 20 सितंबर को दूसरे दौर के बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के रूप में सुसिलो बंबांग युधोयोनो के चुनाव में थेर्तसुल्त।
2004 इंडोनेशिया में पहला राष्?ट्रपति चुनाव आयोजित हुआ।
2004 ग्रीस ने यूरो कप 2004 फ़ुटबाल प्रतियोगिता जीतकर इतिहास बनाया।
2006 उत्तर कोरिया ने चार छोटी रेंज वाली मिसाइलों का परीक्षण किया, एक मध्यम रेंज वाली मिसाइल और एक लंबी रेंज वाली टैओपोडोंग -2। जापान के समुद्र के ऊपर मध्य हवा में लंबे समय तक टैपोदोंग -2 के विफल होने की सूचना दी।
2006 उत्तर कोरिया द्वारा कथित तौर पर कम से कम सात अलग-अलग बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण करने के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक आपातकालीन बैठक आयोजित की।
2009 चीन में शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र की राजधानी ह्लद्बर्ह्वद्घह्लद्ब में हिंसक दंगों की एक श्रृंखला शुरू हुई।
2013 इराक की राजधानी बगदाद के एक मस्जिद पर हुये बम हमले में 15 लोगों की मौत।
2015 7 वीं महिला फुटबॉल विश्व कप: वैंकूवर में संयुक्त राज्य अमेरिका ने जापान को 5-2 से हराया।

विश्व में बढ़ रही है हिन्दुत्व की स्वीकार्यता

बृजनन्दन राजू

जब कोई व्यक्ति अपने पूर्वजों के बारे में लज्जित होने लगे तब समझ लो कि उसका अंत आ गया। सबको अपने पूर्वजों पर गर्व होना ही चाहिए। हिन्दू तो उन महान ऋषियों के वंशज हैं जो संसाद में अद्धितीय रहे हैं। इसलिए उन्हें हिन्दू होने का गर्व है और होना भी चाहिए। सम्पूर्ण विश्व पर हिन्दू समाज का महान ऋण है। सम्पूर्ण विश्व में हिन्दू ही एक ऐसी जाति है जिसने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया। हम दुनिया में शांति व सौहार्द का संदेश लेकर गये। हमने किसी को अपना गुलाम नहीं बनाया। दुनिया की पीड़ित मानवता को हिन्दुओं ने ही गले लगाया। ऐसे सर्वे भवन्तु सुखिना꞉ सर्वे सन्तु निरामय꞉ और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना रखने वाले हिन्दू समाज को हिंसक बताया जा रहा है। हिन्दू समाज भी इतना उदार व सहनशील है कि वह भी अपने ऊपर लगने वाले आरोपों को सहन करता जा रहा है। यह स्थिति वास्तव में हिन्दू समाज के लिए आत्मघाती है।

स्वामी विवेकानन्द जी कहते थे कि तभी और केवल तब ही तुम हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो जब इस नाम को सुनते ही तुम्हारी रगों में शक्ति की विद्युत तरंग दौड़ जाये। हम अहिंसा के पुजारी जरूर हैं लेकिन हमारे शास्त्रों का यह भी आदेश है कि यदि कोई तुम्हारे गाल पर थप्पड़ मारे और तुम उसका जवाब दस थप्पड़ों से न दो तो तुम पाप करते हो। हिन्दुस्थान का प्राण हिन्दू धर्म है। यदि हिन्दू धर्म पर आघात होगा तो वह राष्ट्र पर आघात माना जायेगा। इसलिए हिन्दुओं को अपने शौर्य को प्रकट करने की जरूरत है।

राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष के तौर पर पहला भाषण झूठ, निराशा और तथ्यहीन बातों से भरा हुआ था। राहुल गांधी ने अपने भाषण में न केवल संसदीय गरिमा को तार—तार किया बल्कि हिंदुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बताकर हिन्दू समाज को अपमानित करने का काम किया है। इसकी जितनी भी निंदा की जाय, कम है। इस कृत्य के लिए राहुल गांधी को अविलंब माफी मांगनी चाहिए।

वैसे इसके लिए राहुल गांधी को दोष देना ठीक नहीं है। क्योंकि उनको वही संस्कार ही मिला है। भारत की प्रकृति संस्कृति का उन्हें ज्ञान हीं नहीं है। राहुल गांधी के पास स्वयं की चिंतन प्रतिभा कुछ है नहीं। कम्युनिस्ट व मैकाले पुत्रों की बुद्धि के आधार पर वह बोलते व आचरण करते हैं। कांग्रेस की संस्कृति शुरू से विघटनकारी रही हैं। वह हमेशा समाज को बांटने में विश्वास करती है। कांग्रेस कई बार टूटी, कई दल बने लेकिन उनका मूल स्वभाव यथावत है। भारत विभाजन से लेकर आज तक कांग्रेस की कार्य संस्कृति में बदलाव नहीं आया है। महात्मा गांधी की चलती तो कांग्रेस समाप्त हो गयी होती। लेकिन गांधी के नाम का उपयोग करने वाले राहुल गांधी महात्मा गांधी का भी अपमान कर रहे हैं जिन्होंने कहा था हिन्दुत्व सत्य की अनवरत खोज का ही दूसरा नाम है। 24 जनवरी 1948 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि हमें अपनी उस विरासत और अपने उन पूर्वजों पर गर्व है जिन्होंने भारत को बौद्धिक एवं सांस्कृतिक श्रेष्ठता प्रदान की।

वैसे हिन्दुओं पर आक्षेप लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। सदन में राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत-नफरत, असत्य-असत्य-असत्य की बात करते हैं। इससे राहुल गांधी की मंशा जाहिर होती है। जबकि सच्चाई सबको पता है कि 1984 में सिखों का नरसंहार किसने किया था। 1975 में आपातकाल किसने लगाया था। सच्चाई ये है कि संतों पर गोलियां किसने चलवाई थी? 2010 में तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम ने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था। 2013 में पूर्व गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने भी हिंदुओं को आतंकवादी बताया था। 2021 में राहुल गांधी ने हिन्दुत्ववादियों को देश से बाहर निकालने को कहा था और आज सम्पूर्ण हिंदुओं को असत्यवादी और हिंसक कहा। राहुल गांधी ने पहले भी कहा था कि मंदिर जाने वाले लड़कियों को छेड़ते हैं। संसद की बहस के दौरान ईश्वर के चित्रों को सामने रखना और राजनीति को इससे जोड़ना एक नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता।

हिन्दू संस्कृति विजय की उपासक है, पराजय की नहीं। हमारे यहां किसी धर्म संस्थापक को फांसी देने का उदाहरण नहीं है। क्या हमारे प्रभु श्रीरामचन्द्र जी या योगेश्वर श्रीकृष्ण का पराभव किसी ने देखा या सुना है। जिनकी हम पूजा करते हैं वह कभी पराभूत नहीं हुए।

यह हिन्दू धर्म पर आक्षेप है। इसे सहन नहीं बल्कि अपने धर्म की रक्षा के लिए डट जाने का समय है। धर्म के प्रति हमारे हिन्दू भाईयों की श्रद्धा कहां चली गयी। संसद में खड़े होकर राहुल गांधी हिन्दू धर्म को हिंसक कहते रहे और हमारे सांसदों ने उन्हें बोलने दिया। वहीं दूसरे दिन जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाषण करने खड़े हुए तो पूरे भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। विपक्ष की यह संस्कृति किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए ठीक नहीं है। अगर अभी हम नहीं चेते तो हमारी आगे आने वाला समय और भयावह होने वाला है। हिन्दू शांतिप्रिय है। इसका मतलब यह नहीं है कि वह चुपचाप गाली सहन करता रहेगा। सहने की भी एक सीमा होती है। हिन्दुओं ने हिंसा फैलाने का काम कभी किया ही नहीं। हिन्दू समाज जिस दिन हिंसक हो जायेगा उस दिन भारत में राहुल गांधी जैसे दोगले नेताओं को पैर रखने की भी जगह नहीं मिलेगी। अनेक आपत्ति-विपत्तियों को सहकर भी हिन्दू जाति आज भी जीवित है। भगिनी निवेदिता ने कहा कि हिन्दू धर्म एक ऐसे समाज का धर्म है जो कभी बर्बर नहीं बना। ज्ञान एवं शिक्षा के साथ कभी विरोध नहीं रहा।

यदि नेता का आचरण और व्यवहार ठीक नहीं है तो उसे स्वीकार्यता नहीं मिल सकती। नेता की विशेषता होती है कि वह भिन्न मत रूचि व विचार और प्रवृत्ति के लोगों को उनकी भावनाओं के आधार पर एकत्र रख सके। वह व्यक्ति नेता कभी नहीं बन सकता जिसके मन में हिन्दुओं के प्रति ईर्ष्या है। अगर हिन्दू समाज हिंसक होता तो राहुल गांधी जैसे नेता हिन्दुओं को हिंसक बोलने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाते। यह हिन्दुओं को उत्तेजित करने और समाज को बांटने का प्रयास है। हिन्दू समाज उनके मंसूबों से वाकिफ है। हम सब एक हैं। सभी हिन्दू भाई—भाई हैं। वैसे राहुल गांधी के इस बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि वह विपक्ष के नेता बनने की काबिलियत नहीं रखते। बात शांति से नहीं बनी तो कुरूक्षेत्र भी झेला है। शिव हैं हम लेकिन शंकर बन, रौद्र रूप भी धारा है।

जिन्हें भारत की एकता अखण्डता व समृद्धि नहीं सुहाती। वह हमारी राष्ट्रीय एकता और आपपसी सदभाव बिगाड़ने का प्रयत्न करते हैं। इस प्रकार का कृत्य स्वामी विवेकानन्द, महर्षि अरविन्द व लोकमान्य तिलक का अपमान किया है। धर्म आधारित राजनीति का ही भारत में सम्मान था। निष्ठाहीन राजनीति समाज का भला नहीं कर सकती। कांग्रेस के नेता भारत माता की जय और वंदे मातरम बोलने से भी परहेज करते हैं। भूमि को माता के समान देखने की दृष्टि हमें वेदों से मिली है। जिन्होंने कहा माता भूमि पुत्रोहम पृथिव्या:।

आज विश्व में हिन्दुत्व की स्वीकार्यता बढ़ रही है। लेकिन भारत की संसद में आक्रोश दिखता है। हिन्दू शब्द सुनते ही कुछ लोगों को बेचैनी होने लगती है। वह हिन्दू होने का अर्थ नहीं जानते। आज हिन्दू और हिन्दुत्व को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। विविधता में एकता हिन्दू की विशेषता है।

हिन्दू किसी से द्वैष, वैर अथवा घृणा नहीं करता। ईश्वर अंश जीव अविनाशी। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं कि अद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्र: करूणा एव च। अर्थात जब सभी के अंदर ईश्वरानुभूति होती है तब सभी प्राणियों के प्रति द्वेषभाव समाप्त होकर मित्रता, करूणा तथा प्रेम विकसित होता है। परोपकाराय: पुण्याय पापाय परपीड़नम्। गोस्वामी तुलसीदास ने भी कहा है कि परहित सरिस धर्म नहिं भाई। एकं सत विप्रा बहुधा वदन्ति। ऐसा जो मानते हैं वह हिन्दू हैं। इसलिए सर्वग्राही हिन्दू समाज पर लांछन लगाना पाप है।

विपक्ष की सकारात्मक भूमिका ही लोकतंत्र को बचा सकती है

डॉ. भरत मिश्र प्राची

इस बार के लोकसभा चुनाव में विपक्ष को मजबूत जनादेश मिला जिसके बल पर वह सकारात्मक कदम उठाकर लोकतंत्र को बचा सकता है। संसद में जनादेश की इस ताकत पर सरकार के गलत कदम पर ब्रेक लगाते हुए जनहित में कदम उठाने को मजबूर कर सकता है। इस बार के लोकसभा चुनाव में विपक्ष को मजबूत जनादेश मिला जिसके बल पर वह सकारात्मक कदम उठाकर लोकतंत्र को बचा सकता है। संसद में जनादेश की इस ताकत पर सरकार के गलत कदम पर ब्रेक लगाते हुए जनहित में कदम उठाने को मजबूर कर सकता है । यह तभी संभव है जब विपक्ष मिले जनादेश की ताकत को अनर्गल बहस में न उलझाकर संसद में जनहित के मुद्दे उठाए, बहस करे, सरकार को मुद्दे पर अमल करने का दबाव बनाए। लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू होने वाला सत्र मुद्दों से भटककर टकराव की राजनीति में उलझ गया है जहां संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाजपा बनाम हिन्दू वाला बयान राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है। इस बयान ने देश में एक नया राजनीतिक भूचाल खड़ा कर दिया जो लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं। इस चुनाव में देश की जनता ने विपक्ष को जो जनादेश जिस काम के लिए दिया, विपक्ष ने उस दिशा में कदम न बढ़ाकर गलत दिशा को अपना लिया है। जो चर्चा संसद से बाहर की जा सकती है उसे संसद में प्रमुख बनाकर विपक्ष सत्ता पक्ष को मुद्दों से भटकाने का कार्य कर रहा है। विपक्ष को जनादेश मिला है पर सत्ता पक्ष अभी भी ताकतवर है जिसने लोकसभा अध्यक्ष का चयन अपनी मर्जी के अनुसार कर विपक्ष को अपनी ताकत का अहसास करा दिया, इस बात को विपक्ष को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लोकसभा उपाध्यक्ष का चयन भी सत्ता पक्ष की मर्जी के अनुसार ही होना है भले यह जगह अपने सहयोगी दल में से किसी को देनी पड़े पर विपक्ष को इस पद से भी हाथ धोना पड़ सकता है। जब कि विपक्ष इस पद के लिए अपना उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारने का निर्णय भी ले चुका है। वर्तमान राजनीतिक उभरे हालात में पक्ष-विपक्ष के बीच केवल आपसी अनर्गल टकराव की स्थिति उभरती नजर आ रही है, जहां वास्तविक जनहित के मुद्दे गौण हो चले हैं। इस तरह की स्थिति संसद में चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा मुद्दों से हटकर अनर्गल मुद्दे उठाने से उपजी जिसके लिए विपक्ष पूरी तरह से जिम्मेदार है। लोकसभा चुनाव में जनता ने जिसे जनादेश दिया, जिसे नहीं दिया, संसद की चर्चा का विषय नहीं है। संसद में जनहित के मुद्दे उठाना विपक्ष का सकारात्मक कदम माना जा सकता है जिससे लोकतंत्र की मर्यादा बचाने एवं सत्ता पक्ष को गलत कदम उठाने से रोकने में विपक्ष को सफलता मिलती। पर विपक्ष के उठाए वास्तविक महंगाई, बेरोजगारी, नीट परीक्षा धांधली, अग्निवीर मुद्दे को भटकाव वाला हिन्दू बनाम भाजपा का मुद्दा निगल गया। इस तथ्य को विपक्ष को समझना होगा। विपक्ष संसद में अनर्गल बहस से बचकर जनहित के मुद्दे उठाते हुए विपक्ष की भूमिका निभा सकता है जिसके लिए देश की जनता ने स्पष्ट जनादेश दिया है जो अपने सकारात्मक कदम से सत्ता पक्ष के गलत कदम को रोककर सही कदम उठाने पर मजबूर कर सकता है।

एससीओ शिखर सम्मेलन में भारत की कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद के बीच, दोनों देशों के विदेश मंत्री आज एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर मिले और विचारों का आदान-प्रदान किया। हम आपको बता दें कि एससीओ में भारत, ईरान, कजाखस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। कजाखस्तान एससीओ के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने तथा विभिन्न द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेने के लिए आए जयशंकर ने आज चीन के विदेश मंत्री से मुलाकात करने से पहले कल बेलारूस के अपने समकक्ष मैक्सिम रेजेनकोव, ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री सिराजुद्दीन मुहरिद्दीन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात की थी।

जहां तक चीन के विदेश मंत्री के साथ जयशंकर की मुलाकात की बात है तो आपको बता दें कि बैठक में दोनों नेता पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद संबंधी शेष मुद्दों के हल के लिए कूटनीतिक और सैन्य माध्यमों से प्रयास दोगुना करने पर सहमत हुए। बैठक में जयशंकर ने वांग से कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान करना और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करना अहम है। विदेश मंत्री ने भारत के इस दृष्टिकोण को भी दोहराया कि दोनों पक्षों के बीच संबंध आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता पर आधारित होने चाहिए। जयशंकर ने सोशल मीडिस मंच 'एक्स' पर कहा, ''आज सुबह सीपीसी पोलित ब्यूरो के सदस्य एवं विदेश मंत्री वांग यी से अस्ताना में मुलाकात की। सीमा क्षेत्रों में शेष मुद्दों के शीघ्र समाधान पर चर्चा की। कूटनीतिक और सैन्य माध्यमों से प्रयासों को दोगुना करने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा, एलएसी का सम्मान और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करना अहम है। आपसी सम्मान, आपसी

संवेदनशीलता और आपसी हित हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मार्गदर्शन करेंगे।'' हम आपको बता दें कि यह मुलाकात इसलिए भी अहम है क्योंकि अभी हाल ही में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पंचशील सिद्धांतों का उल्लेख किया था। गौरतलब है कि भारत का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों के लिए अहम है। दूसरी ओर, जयशंकर की अन्य अहम मुलाकातों की बात करें तो आपको बता दें कि उन्होंने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार समेत विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मिलकर हमेशा खुशी होती है। दुनिया की स्थिति के संबंध में उनकी अंतर्दृष्टि की सराहना करता हूं। वैश्विक मुद्दों और उनके व्यापक निहितार्थों पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार, सितंबर में होने वाले शिखर सम्मेलन की तैयारियों तथा सार्थक भारत-संयुक्त राष्ट्र साझेदारी की भविष्य की संभावनाओं के बारे में बात की।

इससे पहले उन्होंने ताजिकिस्तान, बेलारूस और रूस के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। जयशंकर ने बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, आज अस्ताना में ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री सिराजुद्दीन मुहरिद्दीन से मिलकर बहुत खुशी हुई। बहुपक्षीय मंचों पर हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और सहयोग की समीक्षा की। क्षेत्रीय स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। इससे पहले उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, बेलारूस के विदेश मंत्री मैक्सिम रेजेनकोव से आज मिलकर बहुत खुशी हुई। एससीओ के नए सदस्य के रूप में बेलारूस का स्वागत है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों और इसके भविष्य की विकास संभावनाओं पर चर्चा हुई। हम आपको बता दें कि दोनों विदेश मंत्रियों की यह बैठक 28 जून को मिंस्क में आयोजित पहली भारत-बेलारूस वाणिज्य दूतावास वार्ता के कुछ दिन बाद हुई है।

इसके अलावा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के समक्ष युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना के लिए लड़ रहे भारतीय नागरिकों का मुद्दा उठाया और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। हम आपको बता दें कि दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने के लिए मॉस्को की प्रस्तावित यात्रा से पहले हुई है। अभी इस यात्रा की आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है लेकिन ऐसी जानकारी है कि मोदी अगले सप्ताह मॉस्को की यात्रा कर सकते हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर खुशी हुई। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और समकालीन मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई। दिसंबर 2023 में हमारी आखिरी मुलाकात के बाद से कई क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा की।'' जयशंकर ने पोस्ट में कहा, ''भारतीय नागरिकों को लेकर अपनी गंभीर चिंता जतायी जो अभी युद्ध क्षेत्र में हैं। उनकी सुरक्षित तथा जल्द वापसी पर जोर दिया।'' उन्होंने बैठक की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने भी बैठक की तस्वीरों के साथ 'एक्स' पर ऐसा ही पोस्ट किया है। इसमें कहा गया है, ''रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव और भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रमण्यम जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के इतर चर्चा की।''

हेमंत सोरेन की जमानत ने झामुमो में जगाई नयी आस

कृष्णमोहन झा

गत पांच माहों से जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट ने नियमित जमानत दे दी है । झारखंड हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत देते हुए जो टिप्पणियां की हैं उनसे हेमंत सोरेन को जनता के बीच एक बार फिर से सिर उठाकर जाने की ताक़त मिल गई है। हाईकोर्ट ने कहा है कि पूरे केस से पता चलता है कि प्रार्थी विशेष रूप से अथवा अ?प्रत्यक्ष रूप से 8.86 एकड़ भूमि के अधिग्रहण और कब्जे के साथ साथ 卐 अपराध की आय 卐 से जुड़े होने में शामिल नहीं है। किसी भी रजिस्टर अथवा राजस्व रिकॉर्ड में उक्त भूमि के अधिग्रहण और कब्जे में प्रार्थी की प्रत्यक्ष भागीदारी का कोई संकेत नहीं है। हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय के इस दावे को स्वीकार नहीं किया कि उसकी समय पर की गई कार्रवाई ने अभिलेखों में हेराफेरी और जालसाजी करके भूमि के अवैध अधिग्रहण को रोका है। झारखंड हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि प्रार्थी को जमानत देने से कोई हानि नहीं होने वाली है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने जमानत पर पूर्व मुख्यमंत्री की रिहाई को सत्य की जीत बताया है। हाईकोर्ट के इस फैसले से झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं क्योंकि अब यह सुनिश्चित माना जा रहा है कि इसी साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के चुनाव अभियान का नेतृत्व हेमंत सोरेन ही करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि हेमंत सोरेन राज्य में पार्टी का सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे हैं। अब उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी राज्य की गांगेय विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में जीत कर विधायक बन चुकी हैं। नि:संदेह उनकी जीत में हेमंत सोरेन की लोकप्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। गौरतलब है कि कल्पना सोरेन ने इसी साल जनवरी में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किए जाने के बाद राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया था। गांगेय विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव में उनकी जीत से यह संदेश मिलता है कि झारखंड की जनता और पार्टी कार्यकर्ता राजनीति में उनके प्रवेश के फैसले की आतुरता से प्रतीक्षा कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि कल्पना सोरेन उच्च शिक्षित महिला हैं और विगत 5 माहों में झारखंड की राजनीति में उनका कद तेजी से बढ़ा है। हेमंत सोरेन के जेल में रहने के दौरान कल्पना सोरेन ने न केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखा बल्कि उन्होंने विपक्षी इंडिया गठबंधन की रैलियों में विरोधी दलों के नेताओं के साथ मंच भी साझा किया। चुनावी रैलियों में मर्यादित भाषा में संवाद अदायगी की उनकी प्रभावी शैली से विरोधी दलों के नेताओं और आम जनता के बीच जगह बनाने में उन्हें पर्याप्त सफलता मिली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजनीति में उनकी सक्रियता से झारखंड में पार्टी का जनाधार बढ़ना तय है। वे हेमंत सोरेन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और उन्हें हर जगह अपनी प्रभावी उपस्थिति का अहसास कराने में सफलता मिल रही है।

जमानत पर हेमंत सोरेन की रिहाई के बाद अब यह सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या उनके मन में वर्तमान मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन से कुर्सी खाली करा कर पुन: मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने की महत्वाकांक्षा जाग सकती है। अभी ऐसे कोई आसार नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन से उनके परिवारिक संबंध हैं और इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि चंपई सोरेन आगे भी पूरी तरह से हेमंत सोरेन के प्रति वफादार बने रहेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि पुन: मुख्यमंत्री पद की बागडोर संभालने के बजाय हेमंत सोरेन इसी साल होने वाले झारखंड विधानसभा के चुनावों में पार्टी की विजय सुनिश्चित करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्हें जमानत पर रिहा करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने जो टिप्पणियां की हैं वे उनका मनोबल बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी। यद्यपि झारखंड हाईकोर्ट ने उन्हें केवल नियमित जमानत पर रिहा किया है परन्तु अब वे जनता को यही भरोसा दिलाने की पुरजोर कोशिश करेंगे कि वे पूरी तरह निर्दोष हैं। भाजपा को भी इस सच्चाई का अहसास है कि इसी साल होने वाले विधानसभा चुनावों में जब झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रचार अभियान की बागडोर हेमंत सोरेन के पास होगी तो वे पहले से अधिक आक्रामक नजर आएंगे। हेमंत सोरेन यह मानकर चल रहे हैं कि जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद जनता उन्हें एक विजेता के रूप में देख रही है इसलिए इसका फायदा उनकी पार्टी को निश्चित रूप से आगामी विधानसभा चुनावों में मिलेगा। पांच माह की जेल यात्रा के दौरान जनता के बीच अपने लिए पनपी सहानुभूति को देखते हुए हेमंत सोरेन आगामी विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन से अपनी पार्टी के लिए पहले से अधिक सीटों की मांग भी कर सकते हैं। उधर भाजपा का यह मानना है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार गत पांच सालों में जनता से किए गए वादों को पूरा करने में बुरी तरह नाकामयाब रही है। हेमंत सोरेन अब जब जनता के बीच जाएंगे तब जनता पहले उन्हें उनके झूठे वादों की याद दिलाएगी। भाजपा यह भी मानती है कि चम्पई सोरेन के मुख्यमंत्री बन जाने के बाद राज्य में सत्ता के दो केंद्र बन गए हैं। इससे पार्टी में वर्चस्व की लड़ाई और तेज होगी जिसका फायदा भाजपा को मिलेगा। भाजपा को पूरा भरोसा है कि झारखंड की जनता बदलाव चाहती है और आगामी विधानसभा इसी बदलाव का संदेश लेकर आ रहे हैं।

संसद सत्र में विपक्ष के नेताओं के बीच दिखाई दिया तालमेल, राहुल-अखिलेश में दिखी केमिस्ट्री

शशिधर पाठक

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद आहूत संसद के विशेष सत्र का राज्यसभा में प्रधानमंत्री के संबोधन के साथ बुधवार को सत्रावसान हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के चेहरे पर संसद के सत्र का जिक्र करते ही मुस्कान तैर जाती है। इस सत्र में राहुल गांधी ने एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि हासिल की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बालबुद्धि वाला और फेल बताया तो कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेताओं की धुरी बनकर उभरे हैं। सत्र के सत्रावसान के बाद सबसे अधिक चर्चा में भी राहुल गांधी और उनका 90 मिनट का लोकसभा में संबोधन है। दूसरी बड़ी चर्चा राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के बीच में बनी राजनीतिक केमिस्ट्री पर है। अखिलेश यादव ने सत्र के आरंभ होने के दिन पहले अपने अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद को प्रमुखता से स्थान दिया। विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी अवधेश प्रसाद को पूरे सत्र के दौरान मान देकर साझा रणनीति को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी राहुल गांधी और अखिलेश के बीच में तालमेल को महसूस कर रहे थे। प्रधानमंत्री के आज राज्यसभा में संबोधन के दौरान इसकी गहराई महसूस की गई। प्रधानमंत्री ने समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव से कहा कि वह अपने भतीजे (अखिलेश) को समझाएं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने राहुल गांधी के लोकसभा में दिए भाषण को अच्छा बताया। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद को राहुल गांधी के भाषण में कुछ भी गलत नहीं लगा। अखिलेश यादव ने राहुल के वक्तव्य पर भाजपा के नेताओं की टिप्पणी को भाजपा की रणनीति करार दिया। टीएमसी के कल्याण बनर्जी ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि 90 मिनट में राहुल गांधी ने तमाम मुद्दे उठाए। केन्द्र सरकार को घेरा। अच्छा बोले और अपनी जिम्मेदारी निभाई। शिवसेना(यूटीबी) के नेता संजय राऊत ने भी तारीफ की। मुंबई में मीडिया से मुखातिब होते हुए उद्धव ठाकरे ने भी राहुल गांधी के वक्तव्य से पूरी सहमति जताई और इसकी सराहना की। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं ने संसद के विशेष सत्र के दौरान एकजुटता दिखाई। हालांकि संसद में लोकसभा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के पद को लेकर तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों के नेता ने आपस में कोई चर्चा नहीं की। तृणमूल कांग्रेस की नेता और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा में उपाध्यक्ष के पद के लिए बिना आपसी चर्चा किए विपक्ष की तरफ से अवधेश प्रसाद को उम्मीदवार बनाए जाने का सुझाव तक दे दिया। ऐसा माना जा रहा था कि इसका असर संसद के दोनों सदनों में देखने में आ सकता है। भाजपा के नेता भी चुनाव के बाद विपक्ष के इंडिया गठबंधन के बिखरने की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन संसद के विशेष सत्र में दोनों सदनों में इस तरह का कोई संकेत नहीं दिखाई दिया। विपक्षी दलों के बीच में तालमेल का संकेत राहुल गांधी ने पहले ही दे दिया था। नेता प्रतिपक्ष चुने जाने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी प्रथमिकता सभी विपक्षी सहयोगियों को साथ लेकर चलने की रहेगी। कांग्रेस के सांसद तनुज पूनिया कहते हैं कि हमारे नेता ने जो कहा, उसे कर दिखाया। विपक्षी नेताओं के बीच में यह आपसी सूझ-बूझ देखकर सत्ता पक्ष की बेचैनी साफ देखी जा सकती है।

गौरवशाली पर्यटक स्थल

आगरा

कैसे जाएं - यहां के लिए विमान सेवा की सुविधा है। 7 किलोमीटर की दूरी पर हवाई अड्डा है। आगरा के समीप 4 रेलवे स्टेशन हैं-आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ईदगाह आगरा जंक्शन और राजा की मंडी। सड़क मार्ग द्वारा देश के विभिन्न भागों से जुड़ा है।

अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर आगरा देश-विदेश में लोकप्रिय पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां की प्राचीन धरोहर मुगल काल की याद ताजा कर देती है। बात चाहे मो हब्बत की निशानी ताजमहल की हो या आगरा के किले की या फिर फतेहपुर सीकरी की, आगरा और उसके आसपास सारी ऐतिहासिक इमारतें एक से बढ़कर एक हैं। आगरा में विश्व की तीन सांस्कृतिक धरोहरें हैं। ताजमहल, आगरा का किला और फतेहपुर सीकरी। यह शहर यमुना नदी के तट पर बसा है। आगरा शहर को सकिंदर लोदी ने 1506 ई. में बसाया था। आगरा लंबे समय तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा। इसकी लोकप्रियता के कारण ताजनगरी आगरा सिर्फ उत्तर प्रदेश का ही नहीं बल्कि भारत का गौरव है। इस गौरवशाली शहर की ऐतिहासिक इमारतों का दीदार करने चलें-

ताजमहल

विश्व के सात अजूबों में ताजमहल एक महत्वपूर्ण अनोखा स्थान रखता है। यह खूबसूरत प्यार का महल शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का मकबरा विश्व के सबसे मशहूर इमारतों में से एक है। इसे बनाने में बाइस वर्ष (1630-1652) लगे। इसे बनाने में 20,000 कारीगरों की अथक मेहनत लगी थी। इसका निर्माण 1653 में पूरा हुआ। पूरे संगमरमर में तराशा हुआ यह भारत का ही नहीं विश्व की भी अति उत्तम कृति है। यह मुगल शैली के चार बाग के साथ स्थित है जिसे फारसी वास्तुकार उस्ताद ईसा खां के दिशा निर्देश में यमुना नदी के किनारे बनवाया गया। इसके ऊपर 22 छोटे गुम्बद हैं जो इसके निर्माण वर्षो की संख्या बताते हैं। ताजमहल को एक लाल बलुआ पत्थर के चबूतरे पर बने सफेद संगमरमर के चबूतरे पर बनाया गया है। ताज की सर्वाधिक सुंदरता इसके इमारत के बराबर ऊंचे महान गुंबद में बसी है। यह 60 फीट व्यास का 80 फीट ऊंचा है। इसके नीचे मुमताज की कब्र है। इसके बराबर ही शाहजहां की भी कब्र है। अंदरूनी क्षेत्रों में रत्नों और बहुमूल्य पत्थरों का काम है। इसके साथ एक खबर-पर्य टकों के लिए शुक्रवार को बंद रहता है।

आगरा का किला

आगरा का दूसरा विश्व धरोहर है- आगरा का किला। जो शहर के बीचोंबीच सर उठाए खड़ा है। इसे लोग लाल किला भी कहते हैं। यह अकबर द्वारा 1565 में बनवाया गया था। बाद में शाहजहां ने इस किले का पुनरुद्धार बलुआ पत्थर से करवाया था। इस किले की मुख्य इमारतों में मोती मस्जिद, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, जहांगीर महल, खास महल, शीश महल और मुसम्मन बुर्ज हैं। इसकी पूरी परिधि 24 किलोमीटर की है, जो दोहरे पर कोटेवाली किलेनुमा चहारदीवारी से घिरी है। शिवाजी 1666 में पुरंदरपुर संधि हेतु यहां आये थे। उनकी याद में एक बड़ी मूर्ति यहां स्थपित है। किले को देखने में आप का अच्छा-खासा समय लगेगा।

फतेहपुर सीकरी

मुगल सम्राट अकबर ने फतेहपुर सीकरी बसाई व अपनी राजधानी स्थानांतरित की। यह आगरा से 35 किलोमीटर दूर है। यहां अनेकों भव्य इमारतें बनवाई। यहां का बुलंद दरवाजा एक विश्व धरोहर स्थल है। बुलंद दरवाजा 53.63 मीटर ऊंचा और 35 मीटर चौड़ा है। यह लाल और शौकीन बलुआ पत्थर से बना है। जो नक्काशी और काले व सफेद संगमरमर से सजाया गया है। यहां पर दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास एवं पचीसी दरबार के अद्भुत प्राचीन वास्तुशिल्प को पर्यटक देखकर आनंदित और रोमांचित हो जाते हैं। मान्यता है कि सूफी संत शेख सलीम चिश्ती का घराना यहां पर ही था।

एतेमादुल्ला मकबरा

नूरजहां ने एतेमादुल्ला का मकबरा बनवाया था। यह उनके पिता ग्यासुद्दीन बेग, जो जहांगीर के दरबार में मंत्री थे, की याद में बनवाया गया था। मुगल काल के अन्य मकबरों सें अपेक्षाकृत छो टा हो ने से इसे श्रृंगारदान भी कहा जाता है। यहां के बाग, पीट्रा ड्यूरा पच्चीकारी व कई कलाकारी ताजमहल से मिलते हुए हैं।

जामा मस्जिद

जामा मस्जिद विशाल मस्जिद है। जो शाहजहां की पुत्री जहांआरा बेगम को समर्पित है। इसका निर्माण 1648 में हुआ था। यह अपने मीनार रहित ढांचे तथा विशेष प्रकार के गुंबद के लिए मशहूर है।

चीनी का रोजा

चीनी का रोजा शाहजंहा के मंत्री अल्लामा अफजल खां शकराउल्ल शिराज को समर्पित है। पारसी शिल्पकारी वाले चमकीले नीले रंग के गुम्बद के लिए यह जानी जाती है।

मेहताब बाग

मेहताब बाग ताजमहल के विपरीत यमुना के किनारे उत्तर में स्थित है। यह सबसे पुराना मुगल उद्यान है। इसे बाबर ने सन 1528 में बनवाया था। यह उद्यान ताजमहल से 2.34 किलोमीटर दूर है।

स्वामी बाग

स्वामी बाग समाधि हुजूर स्वामी महराज शिवदयाल सिंह सेठ का स्मारक है। यह शहर के बाहरी क्षेत्र में है जिसे स्वामी बाग कहते हैं। वे राधास्वामी मत के संस्थापक थे। इसका निर्माण 1908 में आरंभ हुआ था। कहते हैं कि यहां कार्य कभी समाप्त नहीं होगा। इसमें त संगमरमर का प्रयोग हुआ है।

सकिंदरा

आगरा से 13 किलोमीटर दूरी पर महान मुगल सम्राट अकबर का मकबरा है। यह मकबरा उनके व्यक्तित्व की पूर्णता को दर्शाता है। अकबर ने स्वयं ही अपने मकबरे की रूपरेखा तैयार करवाई थी। उसी स्थान का चुनाव उसने स्वयं ही किया था। अपने जीवन काल में ही अपने मकबरे का निर्माण करवाना एक तुर्की प्रथा थी। जिसका मुगल शासक ने धर्म की तरह पालन किया। अकबर के पुत्र जहांगीर ने इस मकबरे का निर्माण 1613 में करवाया।

मरियम मकबरा

मरियम मकबरा अकबर की इसाई बेगम का मकबरा है। जो आगरा और सिकन्दराबाद के बीच में है। मुहम्मद कामिल खां कब जाएं कभी भी आगरा जा सकते हैं। वैसे नवम्बर से मार्च में जाना बेहतर है। सर्दियों के मौसम में घूमने और भी आनन्द आता है। आजकल आगरा में 'ताज महोत्सव' चल रहा है। इसकी शुरुआत 18 फरवरी को हो गई है , जो 27 फरवरी तक चलेगा। महोत्सव में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होंगे।

केरल

में इन जगहों पर करें ट्रैकिंग

आप प्रकृति प्रेमी हैं और प्रकृति की गोद में समय बिताना चाहते हैं तो आपके लिए केरल सबसे अच्छा जगह है। अगर छुट्टी की योजना बना रहे हैं तो केरल में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है जैसे बीच (समुद्र तट) और जंगल के रंगबिरंगे प्राकृतिक नजारे। केरल में कई आकर्षण है जैसे पर्वत-पहाड़, घास के मैदानों, चाय के बगान और वन्यजीव। केरल में इन जगहों पर यात्रा कर आप जोश और उत्साह से भर जाएंगे। क्योंकि यहां कि प्राकृतिक सुंदरता को देखकर आपको काफी संतुष्टि और आनंद मिलता है। केरल में ट्रैकिंग का आनंद उठाने के इन जगहों पर जाया जा सकता है।

मुन्नार

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। मुन्नार में दक्षिणी भारत की सबसे ऊंची चोटी अनामुडी है जिसकी ऊंचाई लगभग 2695 मीटर है। यह चोटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण ट्रैकिंग के लिए सही स्थान है। यहां ट्रैकिंग के रास्ते में इराविकुलम नेशनल पार्क है। यह अभयारण्य नीलगिरी की जाति को बचाने के लिए स्थापित किया गया था। मुन्नार में चाय की खेती सर्वाधिक रूप से की जाती है। वनों और हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है। यह फूल बारह वर्षो में केवल एक बार पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। वन विभाग से अनुमति लेकर अनामुडी पर चढ़ाई की जाती है।

अगस्त्यकूडम

पश्चिमी घाट का शानदार चोटी अगस्त्यकूडम एक तीक्ष्ण शंकु के रूप में 1890 मी. की ऊंचाई पर स्थित है। बोनाकॉड से लगभग 61 किमी की दूरी तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। इसके चारों ओर घने वन घिरे हैं। एक मान्यता के अनुसार यह चोटी ऋषि अगस्त्य का निवास स्थल हुआ करता था। इस शिखर यानी चोटी पर महिलाओं को चढ़ने की अनुमति नहीं है। इस चोटी पर दुर्लभ जड़ी-बूटियां तथा वनस्पतियां पाई जाती हैं। इसकी ढालों पर नीलकुरंजी के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। नीलकुरंजी एक ऐसा फूल है जो बारह वर्षो में एक बार खिलता है।

चेंब्रा

चेंब्रा चोटी वायनाड जिले में मेप्पड्या शहर के पास स्थित है और यह इस जिले की सबसे ऊंची चोटी है। यह चोटी समुद्र स्तर से 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह चोटी पश्चिमी घाटी का एक हिस्सा है। इस चोटी को वायनाड के किसी भी हिस्से से देखा जा सकता है। यह पर्यटकों का पसंदीदा ट्रैकिंग जगह है। कुछ जंगली जानवरों इस शिखर पर होते हैं। ट्रेकर को उन्हें देखने का मौका मिल सकता है।

चिम्मिनी

केरल के त्रिशूर जिले स्थित चेम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य पक्षियों पर नजर रखने का सही ठिकाने है। ट्रेकर अभयारण्य के बाहरी इलाके से यात्रा कर सकते हैं। घने जंगलों के माध्यम से यात्रा करना जंगल प्रेमियों के लिए एक अच्छा विकल्प है। यहां पुंडा चोटी उच्चतम बिंदु है। चिम्मिनी में ट्रैकिंग कार्यक्रम वन विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। यहां अक्टूबर-मार्च यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है।

पयथल माला

केरल के कन्नूर जिले में एक हिल स्टेशन पयथल माला स्थित है जो घने जंगलों से पूरे तरह घिरा हुआ है। यह पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां पशुओं और पेड़-पौधों की कई विविध प्रजातियां पाई जाती हैं। इस क्षेत्र में पर्यटक 6 किमी. की दूरी तक चोटी से पहाड़ी पर ट्रैकिंग कर सकते हैं। पर्यटकों को घाटियों पर दिखने वाले अद्भूत नजारे प्राकृति शांति का अनुभव कराता है। यहां एक प्राचीन महल है जो पुराने जमाने के आदिवासी शासक (वैथलकॉन) के नाम पर है। इसी के नाम पर हिल स्टेशन पर स्थित है। पयथल माला को वैटल माला के नाम से भी जाना जाता है।

पहाड़ियों से घिरा इटली का खूबसूरत शहर ट्यूरिन

ट्यूरिन एक घनी आबादी वाला शहर है यह पहले कभी इटली की राजधानी हुआ करता था। यहां की सभ्यता, भाषा, खानपान बिल्कुल अलग है। इस शहर की गगनचुंबी इमारतें बहुत पुरानी हैं। इटली की मुद्रा लीरा है जिसका दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर से बहुत कम है इसलिए यहां वस्तुओं की कीमत हजारों, लाखों से शुरू होती है। मसलन खाने के लिए एक पिज्जा लगभग 10 से 12 हजार लीरा का आता है। यदि आप मकान खरीदने जाएंगे तो कम से कम तीनल्ठचार करोड़ लीरा देने पड़ेंगे। यदि आप घर का कुछ हल्काल्ठफुल्का सामान खरीदने जाएंगे तो कम से कम पचास हजार लीरा तो खर्च हो ही जाएंगे। यहां अधिकांश वस्तुएं उपयोग करो और फेंक दो वाली होती हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इटली में बाल कटवाने के लिए 20 हजार लीरा तक आपको देने पड़ेंगे।

ट्यूरिन के लोग इटालियन भाषा बोलना पसंद करते हैं। यहां शिक्षा भी इटालियन भाषा में दी जाती है। इटालियन भाषा के कुछ शब्द तो भारतीय बोलचाल की भाषा से काफी मिलतेल्ठजुलते हैं। जैसे कमीज को कमीचा, आज को ओज्जी व तुम को तू बोला जाता है। आधुनिकता के मामले में यहां के लोग अन्य यूरोपीय देशों से पीछे नहीं हैं।

ट्यूरिन पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इनमें प्रमुख है आल्पस। इटली के दक्षिण भाग में स्थित सिसली में विश्व प्रसिद्ध एटन नामक ज्वालामुखी है। यहां के लोग संगीत के शौकीन हैं। यहां लगभग हर घर में प्यानो होता है। यहां का मौसम अन्य यूरोपीय देशों की तरह परिवर्तनशील है। यहां पांच दिनों का सप्ताह होता है।

यहां के चौराहे बड़ेल्ठबड़े हैं जिन्हें प्रियात्सा कहा जाता है। यहां कई प्राचीन मीनारें हैं इनमें प्रसिद्ध पालातिनि टावर, प्रियात्सा कास्तेलो स्थित पलाजो मदामा व पुराने महलों में विक्टोरिया अमीदियो द्वारा बनाए गए हंटिंग लाज प्रसिद्ध हैं। ट्यूरिन का वानस्पतिक उद्यान बोटेनिकल गार्डन ट्यूरिन विश्वविद्यालय के मत्तीओली मार्ग पर है।

ट्यूरिन एक हराभरा शहर भी है। यहां पर अनेक पार्क और बागल्ठबगीचे हैं। उदाहरण के लिए वेलेंटिना पार्क जो पिछली शताब्दी के मध्य में इटली का पहला पार्क था। शहर के बाहरी छोर पर ला मंदरीना पार्क भी है इसका क्षेत्रफल 6,500 हेक्टेयर है।

ट्यूरिन के दर्शनीय स्थलों में यहां के संग्रहालय सबसे आकर्षक हैं। इंजिप्शियन संग्रहालय में लगभग 30 हजार देखने योग्य चीजें हैं। यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा संग्रहालय है। रायल आरमोरी यूरोप के बड़े संग्रहालयों में से एक है जिसमें 14 से 20वीं शताब्दी तक के हथियार रखे हुए हैं।

यहां का आटोमोबाइल संग्रहालय लगभग 10 हजार वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें पुरानी से पुरानी कारों का इतिहास है। इसमें इटली की पहली कार भी रखी हुई है। ट्यूरिन इटली का ऐतिहासिक शहर है जोकि विश्व भर के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

हाथरस जाएंगे राहुल, पीड़ितों के परिजनों से करेंगे मुलाकात

नईदिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाथरस का दौरा करेंगे। वे यहां भोले बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इस बात की जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) हाथरस जाने की योजना बना रहे हैं। वह वहां जाएंगे और प्रभावित लोगों से बातचीत करेंगे। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने हाथरस की घटना पर दुख जताया और सत्संग के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई ने संसद में हाथरस घटना पर संबोधित करते हुए कहा, इस कठिन समय में हम यूपी और हाथरस के लोगों के साथ खड़े हैं। हम अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

अंतरिक्ष जाने से पहले पीएम को मणिपुर जाना चाहिए

नईदिल्ली। एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए जिसमें भारतीय अंतरिक्ष और अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ के हवाले से कहा गया है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए उम्मीदवार हो सकते हैं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को पीएम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इससे पहले वह अंतरिक्ष में जाते हैं, गैर-जैविक प्रधानमंत्री को मणिपुर जाना चाहिए। एक्स पर रमेश ने 4 जुलाई को लिखा, अंतरिक्ष में जाने से पहले, गैर-जैविक प्रधान मंत्री को मणिपुर जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट में इसरो चीफ एस सोमनाथ के हवाले से कहा गया है कि पीएम मोदी भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए उम्मीदवार हो सकते हैं, जिसे 2025 में लॉन्च किया जाना है। एस सोमनाथ के हवाले से कहा गया है कि हालांकि उनके (पीएम मोदी) पास निश्चित रूप से कई अन्य, अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं।

हेमंत सोरेन फिर बने झारखंड के मुख्यमंत्री

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लगभग पांच महीने बाद जेल से रिहा होने के बाद हेमंत सोरेन ने गुरुवार को एक बार फिर झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रांची के राजभवन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकारी अध्यक्ष को पद की शपथ दिलाई। झामुमो ने पहले दिन में कहा था कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा राज्य में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद सोरेन 7 जुलाई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि सोरेन के आवास पर गठबंधन सहयोगियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बाद में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने फैसला किया कि सोरेन गुरुवार को शपथ लेंगे। गौरतलब है कि चंपई सोरेन ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

बांसुरी स्वराज को गृह मंत्रालय ने दी अहम जिम्मेदारी

नईदिल्ली। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के सदस्य के रूप में बांसुरी स्वराज की नियुक्ति को अधिसूचित किया। बांसुरी स्वराज लोकसभा में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं और भारतीय जनता पार्टी से हैं। यह एनडीएमसी द्वारा अपनी परिषद की बैठक आयोजित करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें उसके समक्ष रखे गए एजेंडे में कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बुधवार को परिषद की बैठक की कार्यवाही शुरू करने से पहले, एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने नवनिर्वाचित सांसद बांसुरी स्वराज को एनडीएमसी के सदस्य और नवनियुक्त अध्यक्ष नरेश कुमार को शपथ दिलाई। एक बयान के अनुसार, परिषद की बैठक के दौरान, एनडीएमसी ने 25 वर्षों के लिए दीर्घकालिक आधार पर आवंटन के लिए अपने आईएसटीएस ट्रेंच-XI में उपलब्ध भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) के माध्यम से 200 मेगावाट सौर ऊर्जा की खरीद के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा बिहार में धड़ाम होते पूलों का मामला

नईदिल्ली। पिछले दो सप्ताह में नौ पुलों के ढहने की रिपोर्ट के बाद बिहार में सभी पुलों के संरचनात्मक ऑडिट की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में बिहार सरकार को सभी मौजूदा पुलों और निर्माणाधीन पुलों का उच्चतम स्तरीय संरचनात्मक ऑडिट करने और कमजोर ढांचे को ध्वस्त करने का निर्देश देने की मांग की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बिहार में पिछले 15 दिनों में नौ पुल ढह गए। जनहित याचिका में सभी पुलों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के गठन की प्रार्थना की गई है। याचिका में शीर्ष अदालत से बिहार सरकार को सभी मौजूदा पुलों और निर्माणाधीन पुलों का उन्नत संरचनात्मक ऑडिट करने का निर्देश देने की मांग की गई है। यह जनहित याचिका बुधवार को तीन और पुलों के ढहने के बाद आई है। इन तीन में से दो कथित तौर पर सीवान में और एक सारण जिले में ढह गया।

कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से बनाई दूरी

हरियाणा-दिल्ली विधानसभा चुनाव में गठबंधन से इनकार

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन की एकता सवालों के घेरे में आ गई है। दरअसल कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि कांग्रेस, दिल्ली-हरियाणा और पंजाब के विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगी और आम आदमी पार्टी के साथ उनके गठबंधन की कोई गुंजाइश नहीं है। हालांकि जयराम रमेश ने कहा कि महाराष्ट्र और झारखंड में विपक्षी गठबंधन साथ चुनाव लड़ेगा। इससे साफ है कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद आम आदमी पार्टी से दूरी बरत रही है।

स्थानीय नेताओं में सहमति जरूरी

गुरुवार को जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन में ऐसा कोई तय फार्मूला नहीं है, जिसे विधानसभा चुनाव में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन उन राज्यों में मिलकर लड़ेगा जहां कांग्रेस नेता और अन्य गठबंधन के नेताओं के बीच सहमति बन जाएगी, लेकिन जहां सहमति नहीं बन पाएगी, वहां अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे। हालांकि जयराम रमेश ने साफ कर दिया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में विपक्षी गठबंधन एक साथ चुनाव लड़ेगा।

पंजाब में भी अकेले चुनाव लड़ेंगी दोनों पार्टियां

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा पंजाब में विपक्षी गठबंधन का कोई जनबंधन नहीं है। हरियाणा में हमने आम आदमी पार्टी को लोकसभा चुनाव में एक सीट दी थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि विधानसभा चुनाव में कोई गठबंधन होगा। आम आदमी पार्टी ने खुद कहा है कि विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं होगा। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने दिल्ली और हरियाणा में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन पंजाब में दोनों पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ीं थी। पंजाब में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन के बाद कहा गया कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन से पार्टी को नुकसान हुआ और अगर पार्टी अकेले चुनाव लड़ती तो ज्यादा बेहतर प्रदर्शन होता।

यही वजह है कि अब कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से दूरी बना ली है और विधानसभा चुनाव में अकेले दम पर चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर दिया है। जयराम रमेश ने बंगाल विधानसभा चुनाव में भी अकेले चुनाव लड़ने के संकेत दिए, लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि स्थानीय नेताओं की आपसी समझ और परिस्थितियों पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। महाराष्ट्र में कांग्रेस का शिवसेना यूबीटी और एनसीपी एसपी के साथ गठबंधन है। वहीं झारखंड में झामुमो के साथ गठबंधन है। झारखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि दिल्ली में विधानसभा चुनाव अगले साल की शुरुआत में होंगे।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव की तैयारी शुरू, 6 को भाजपा का सम्मेलन

■ जेपी नड्डा 2000 कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के जम्मू दौरे पर कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 6 जुलाई यानि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस के दिन जम्मू-कश्मीर के दौरे पर आ रहे हैं। वे भाजपा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। उनके आगमन के अवसर पर कार्यकर्ताओं का बड़ा सम्मेलन आयोजित किया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए खुशी बात है कि लोकसभा चुनाव में जीत के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष यहां आ रहे हैं।

जेपी नड्डा छह जुलाई को जम्मू आएंगे और जम्मू कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उनकी यह यात्रा इसलिए मायने

रखती है क्योंकि निर्वाचन आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूची को अद्यतन करना शुरू कर अन्य राज्यों के साथ-साथ जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। भाजपा कार्यकारिणी की बैठक पांच जुलाई को शुरू हो रही है और नड्डा उसे संबोधित करेंगे। कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के 2,000 से अधिक वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

एजेंडा में कामकाज की समीक्षा, चुनावी रणनीतियां और चुनाव से जुड़े भविष्य के कार्यों की योजना पर चर्चा शामिल है। रैना ने कहा कि नड्डा के साथ पार्टी के जम्मू कश्मीर चुनाव प्रभारी जी किशन रेड्डी भी होंगे तथा उनके द्वारा चुनाव से जुड़े कार्यक्रमों की घोषणा करने की उम्मीद है। भाजपा प्रभारी तरूण चुघ, सह-प्रभारी आशीष सूद, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और भाजपा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कई वरिष्ठ नेता भी इस अहम बैठक में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, राज्य के विकास पर बातचीत

नईदिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, जहां उन्होंने राज्य के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों पर केंद्र का समर्थन मांगा। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर आंध्र प्रदेश के सीएम, जो वर्तमान में दिल्ली की दो दिवसीय यात्रा पर हैं, ने रचनात्मक बैठक के दौरान हुई बातचीत के विवरण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, आज, आंध्र प्रदेश के कल्याण और विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों को संबोधित करने के लिए दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मेरी रचनात्मक बैठक हुई। मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में, हमारा राज्य राज्यों के बीच एक पावरहाउस के रूप में फिर से उभरेगा।

गौरतलब है कि पीएम मोदी के साथ अहम बैठक करने के साथ ही आंध्र प्रदेश के सीएम और टीडीपी अध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और पीयूष गोयल से भी मुलाकात की। केंद्रीय मंत्रिमंडल के नेताओं के साथ एक-पर-एक बातचीत में, टीडीपी नेता ने राज्य-विशिष्ट मुद्दे उठाए। इसके अलावा, सूत्रों ने संकेत दिया है कि नायडू अपनी यात्रा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा सहित कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलने वाले हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राम मोहन नायडू किंजरपु से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शिष्टाचार भेंट की और कृषि और ग्रामीण कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी से की मुलाकात, अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नईदिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी ने गुरुवार (4 जुलाई) को नई दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित केंद्रीय नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। तेलंगाना के सीएम ने अपने डिप्टी भट्टी विक्रमार्क मल्लू के साथ सबसे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, जहां उन्होंने राज्य के विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लेते हुए, तेलंगाना सीएमओ ने आयोजित वार्ता के विवरण के बारे में विस्तार से बताया, राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के साथ आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस मौके पर उनसे राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

इसके अलावा, दोनों ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, जहां तेलंगाना के शीर्ष नेतृत्व ने कथित तौर पर पीएम मोदी के साथ दक्षिणी राज्य की प्रमुख लंबित परियोजनाओं को उठाया। सूत्रों ने उल्लेख किया कि पिछले महीने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद मोदी और रेड्डी के बीच पहली बैठक के दौरान, नेताओं ने दक्षिणी राज्य में प्रमुख लंबित परियोजनाओं पर चर्चा की। इस बीच, यह ध्यान रखना उचित है कि तेलंगाना के सीएम रेड्डी और पीएम मोदी के बीच मुलाकात लगभग एक महीने बाद हुई है जब दोनों ने पहले लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान एक-दूसरे पर कटाक्ष किया था। जबकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर परोक्ष हमला किया था, उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य में डबल आर (आरआर) टैक्स के माध्यम से एकत्र किया गया धन दिल्ली भेजा जा रहा है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत की टी20 विश्व चैंपियन टीम ने की मोदी से मुलाकात

नईदिल्ली। टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को विशेष विमान से स्वदेश लौट आई। लगातार बूंदाबादी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हवाई अड्डे पर प्रशंसकों ने खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया जिसके बाद टीम के सदस्यों ने नाश्ते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे सैकड़ों प्रशंसक मौसम की परवाह किए बिना विभिन्न नारे लिखे बैनर और राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई दी। पिछले शनिवार को टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों की वापसी के दौरान नाच-गाना हो रहा था, खूब सारे केक थे और सड़कों पर प्रशंसक थे जो दर्शा रहे थे कि क्रिकेट देश में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला खेल क्यों है। थके हुए खिलाड़ी भी हवाई अड्डे से होटल पहुंचने के बाद मस्ती में शामिल हुए और पार्टी का माहौल पूरा किया। वर्ष 2011 में जीते पिछले विश्व कप का जिक्र करते हुए एक प्रशंसक ने कहा, ''हम पिछले 13 साल से इस पल का इंतजार कर रहे थे। टीम ने विश्व कप जीतकर हमें गौरवांवित किया है।''

एअर इंडिया का विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी 'एयर इंडिया चैम्पियंस 24 विश्व कप' बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह चार बजकर 50 मिनट पर बारबाडोस से रवाना हुआ और 16 घंटे बिना रुके यात्रा करने के बाद गुरुवार सुबह छह बजे (भारतीय समयानुसार) दिल्ली पहुंचा। हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी लेकिन इससे प्रशंसकों का उत्साह कम नहीं हुआ।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स पहली बार 80 हजार के पार बंद, निफ्टी 24,300 के ऊपर

नईदिल्ली। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में तेजी रही और बेंचमार्क सेंसेक्स पहली बार 80 हजार के पार बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज शानदार तेजी के साथ 80,321.79 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 80,392.64 अंक के उच्च स्तर तक चला गया। अंत में सेंसेक्स 62.87 अंक या 0.08 प्रतिशत चढ़कर 80,049.67 अंक के ऑल टाइम हाई लेवल पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 17.55 अंक या 0.07 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,304.05 अंक के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक का शेयर सबसे ज्यादा आज 2.69 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। साथ ही आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, टीसीएस, इन्फोसिस और कोटक बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

900 करोड़ रुपये के निवेश से कर्ज मुक्त होगी आइनॉक्स विंड

नईदिल्ली। आइनॉक्स विंड के शेयर में 4 जुलाई को शानदार तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में 10 प्रतिशत से अधिक उछले। यह तेजी उस खबर के बाद आई कि आईनॉक्स विंड लिमिटेड की प्रवर्तक आईनॉक्स विंड एनर्जी लि. (आईडब्ल्यूईएल) ने कंपनी में 900 करोड़ रुपये का निवेश किया है। प्रमोटर ने यह राशि 28 मई 2024 को एक ब्लॉक डील के माध्यम से आइनॉक्स विंड लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बेचकर जुटाई थी। इस ब्लॉक डील के माध्यम से कंपनी के 2.75 करोड़ शेयर या लगभग 5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची गई थी। यह पूरी डील 151 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर हुई थी और डील की कुल वैल्यू लगभग 400 करोड़ रुपये थी। आइनॉक्स विंड ने शेयर बाजारों को दी गई जानकारी में बताया कि वह इस राशि का उपयोग अपने बाहरी कर्ज को पूरी तरह से चुकाने के लिए करेगी।

अब यूएई में भी उपलब्ध होगी यूपीआई भुगतान सुविधा

नईदिल्ली। यूपीआई के जरिए पेमेंट करना अब देश भर में काफी आसान हो गया है। इस सर्विस से पेमेंट करने की प्रक्रिया चंद सेकेंड में पूरी हो जाती है, जिसमें किसी तरह की धोखाधड़ी या फ्रॉड होने का खतरा भी नहीं रहता है क्योंकि ये पूरी तरह से पिन कोड से सिक्योर किया जाता है। वहीं अब एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड ने मध्य पूर्व और अफ्रीका (एमईए) क्षेत्र में डिजिटल वाणिज्य के अग्रणी प्रवर्तक नेटवर्क इंटरनेशनल (नेटवर्क) के साथ साझेदारी में, संयुक्त अरब अमीरात में यूपीआई के पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनलों के माध्यम से क्यूआर कोड-आधारित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान को सक्षम किया है। एनपीसीआई इंटरनेशनल ने एक बयान में कहा कि यह पहल यूएई में नेटवर्क इंटरनेशनल के विशाल व्यापारिक नेटवर्क में भारतीय पर्यटकों और अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए निर्बाध और सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित करती है।

श्रीलंका ने बॉन्डधारकों के साथ ऋण पुनर्गठन समझौता किया

नई दिल्ली। श्रीलंका के वित्त मंत्री शेहान सेमासिंघे ने गुरुवार को बताया कि लंबी बातचीत के बाद द्विपीय राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय संप्रभु बांडधारकों के साथ ऋृण पुनर्गठन समझौते पर पहुंच गया है। एक बयान में, राज्य के वित्त मंत्री सेमासिंघे ने कहा कि बुधवार को पुनर्गठन शर्तों पर एक समझौता हुआ, जिससे श्रीलंका की ऋृण पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी हो गई। सेमासिंघे ने कहा, आईएसबी (इंटरनेशनल सॉवरेन बॉन्ड) 37 बिलियन अमरीकी डॉलर के कुल बाहरी ऋृण में से 12.5 बिलियन अमरीकी डॉलर के लिए जिम्मेदार है। यह समझौता ऋृण स्थिरता को बहाल करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि निजी बॉन्डधारकों के साथ समझौता भारत सहित अन्य राष्ट्रों की आधिकारिक लेनदार समिति की मंजूरी के अधीन था।

पैसों को लेकर जोखिम लेना भी अच्छी समझदारी, कागजी लाभ-हानि वास्तविक नहीं

नारायण कृष्णमूर्ति

निवेश से पैसा बनता है, यह सच्चाई है। लेकिन, कइयों को लगता है कि निवेश जोखिम भरा है, क्योंकि इसमें पैसा डूबने की आशंका होती है। यह आम धारणा युवाओं, सेवानिवृत्त और उच्च शिक्षित लोगों में मौजूद होती है। मुझे चुपके-चुपके फिल्म से अमिताभ बच्चन का एक संवाद याद आता है। इसमें वह कहते हैं, जो है वो नहीं है...और जो नहीं है वो कैसे हो सकता है? अब यह कई लोगों के लिए भ्रामक हो सकता है, लेकिन इसका वित्तीय जोखिम से गहरा संबंध है। जोखिम का मतलब खतरे से है, जिसे वित्तीय दुनिया में पैसे डूब जाने से जोड़ा जा सकता है। पैसे खोने का पहला तरीका है कि इसे किसी को चुराने दें। हां, मैंने सही कहा। हम अक्सर लोगों को उधार देकर उसे वापस न पाने या कभी-कभी परिचितों और अजनबियों को बड़ी रकम देने के मामले में लापरवाह हो जाते हैं।

एक और तरीका है...जिससे हम लोगों और उनसे जुड़े संगठनों को पैसे चुराने देते हैं। यह है शुल्क और फीस के रूप में। स्कूल में बच्चों के लिए भुगतान की जाने वाली फीस ही नहीं, बल्कि खरीदे गए वित्तीय उत्पादों (बीमा या बैंक में खोले गए एफडी) के लिए चुकाए?जाने वाले शुल्क को भी लेकर भ्रम न पालें। बीमा एजेंट पॉलिसी पर कमीशन कमाता है। बैंक एफडी, काउंटर के पीछे बैठे उस व्यक्ति के लिए प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है, जिसने आपका अकाउंट खोला है। ये उन उत्पादों के लिए भुगतान हैं, जो जरूरी नहीं कि आपके लिए हों। फिर भी आप उन्हें खरीद लेते हैं।

यहीं पर हमारा व्यवहार काम आता है। कल्पना करें कि एक जनवरी, 2024 को सोने का भाव 64,090 रुपये प्रति 10 ग्राम था,

लेकिन तब आपने नहीं खरीदा। जून में कीमत बढ़कर 73,580 रुपये पहुंच गई तो आपको लगता है कि 9,500 रुपये खो दिए। भले ही आपने सोना नहीं खरीदा, लेकिन आपको छह महीने की छोटी अवधि में कुछ पैसे कमाने के लिए उपलब्ध अवसर को खोने का दर्द महसूस होता है।

यहीं पर चुपके-चुपके का डायलॉग काम आता है। जो है, वो नहीं है। अर्थात कागज पर दिखने वाला लाभ या हानि वास्तव में लाभ या हानि नहीं है, क्योंकि आप उस निवेश से बाहर नहीं निकले हैं। इससे भी महत्वपूर्ण दूसरा डायलॉग है और जो नहीं है वो, वो कैसे हो सकता है? यह उन लोगों के लिए है जो बाजार गिरने पर रोते हैं कि उन्हें नुकसान हुआ है। यह उदाहरण उन लोगों के लिए सही है जो कहते हैं कि उन्होंने शेयरों में एक लाख का निवेश किया। शेयर ने 7 साल में बोनस और लाभांश के रूप में 40,000 रुपये का भुगतान किया और 31 मार्च, 2024 को इसका मूल्य 1.40 लाख रुपये था।

अब, जून में इस निवेश का मूल्य 1.30 लाख रुपये है। इसलिए, यदि आप डिटेल में देखें तो एक निवेशक के रूप में आपने 7 साल पहले 40,000 रुपये का फायदा कमाया। अब निवेश मूल्य में हाल ही में आई गिरावट से आप कह सकते हैं कि आपने पैसा खो दिया है। ये सभी जोखिम के उदाहरण हैं, जो निवेश करते समय हो सकते हैं। जब बचत और निवेश की बात आती है, तो समझें कि आप किसी न किसी तरह का जोखिम उठाते हैं। जब आप बैंक में पैसा रखते हैं, तो आप इसके मूल्य को रिस्क में डालते हैं, क्योंकि ब्याज दर महंगाई या टैक्स से मेल नहीं खाती है। बिना वजह डरने के बजाय समझदारी से जोखिम का इस्तेमाल करना चाहिए।

कहीं भी पैसे का निवेश होता है तो मूल्य में वृद्धि के तरीके अलग होते हैं। म्यूचुअल फंड और शेयर के मामले में यह ज्यादातर बाजार की बढ़त पर निर्भर होता है। अगर आपने एक लाख रुपये का निवेश किया है और कुछ वर्षों बाद यह 1.20 लाख हो जाता है। अब, 20,000 रुपये का यह लाभ तब तक लाभ नहीं है, जब तक आप निवेश को बेचकर बाहर नहीं निकल जाते। यही बात तब भी लागू होती है, जब बाजार में गिरावट से आपके निवेश का मूल्य कम हो जाता है।

सोशल मीडिया पर वायरल कार्टून कांग्रेस की दयनीय स्थिति और अंधकारमय राजनीतिक भविष्य का आईना

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने बार-बार लॉन्च किए जाने के बाद भी लगातार तीसरी बार राहुल गांधी और कांग्रेस की विफलता पर एक कार्टून जारी करके कांग्रेस के राजनीतिक भविष्य पर तीखा व्यंग्य किया है। विदित रहे, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान लोकसभा में हुई चर्चा के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेता प्रतिपक्ष समेत इंडी गठबंधन के सांसदों के आचरण को लेकर कटाक्ष किया था और कांग्रेस के परजीवी होने की बात कहकर विफलता का जश्न मनाने वाले कांग्रेस सांसदों व नेताओं को आड़े हाथों लिया था। मोदी ने इशारों-इशारों में बालक बुद्धि कहकर नेता प्रतिपक्ष का नाम लिए बिना तंज भी कसा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने इस कार्टून को लेकर कहा है कि सोशल मीडिया पर वायरल यह कार्टून कांग्रेस की मौजूदा दयनीय स्थिति और अंधकारमय राजनीतिक भविष्य का आईना है। कांग्रेस को अब एक परिवार की चाटुकारिता से उबरकर अपने राजनीतिक सच का सामना करने की आदत डालने की जरूरत है। 543 में से महज 99 सीटों पर जीतकर कांग्रेस के नेता लगातार तीसरी बार शर्मनाक पराजय के बाद भी फूलकर इतने कुप्पा क्यों हुए जा रहे हैं, यह समझ से परे है। श्रीवास्तव ने कहा कि कुल जमा 99 सीट हासिल करने वाले राहुल गांधी कम-से-कम यह तो मानें कि 240 का आँकड़ा 99 से लगभग ढाई गुना ज्यादा बड़ा होता है। विधानसभा चुनाव में अपने नेतृत्व में तीन राज्यों में कांग्रेस का बेड़ा गर्क कर दिया और अब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को रसातल में पहुँचाने के बाद बजाय अपनी जिम्मेदारी स्वीकारने के हिन्दुओं को हिंसक बता रहे हैं, देश की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं को लेकर संसद में झूठ बोल रहे हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि दरअसल कांग्रेस अब वैचारिक तौर पर कंगाल हो चुकी है और इसलिए चीख-चिल्लाकर संसद से लेकर सड़क तक झूठ बोलकर देश के गुमराह करने तथा अराजकता का प्रदर्शन करने लगी है। संसद में प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन के दौरान विपक्षियों द्वारा की जाती रही नारेबाजी इस बात का प्रमाण है कि विपक्ष पूरी तरह मुद्दाविहीन है और मिथ्या प्रलाप करने के बाद सच सुनने का साहस घमंडिया गठबंधन में किसी में है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने कहा कि विपक्ष के पास न कोई तथ्य होता है, न उनके कथन में कोई सत्य होता है और इसलिए जब सत्य सामने आता है, तब चीखना चिल्लाना मचाकर घमंडिया गठबंधन सत्य की आवाज दबाने की नाकाम कोशिशें करता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों को नारेबाजी करने और आसंदी तक जाने के लिए उकसाने पर नेता प्रतिपक्ष को जोरदार फटकार भी लगाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का यह शर्मनाक राजनीतिक आचरण अभी कांग्रेस की और दुर्गति ही करेगा, इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 2014, 2019 और 2024 में 3 लोकसभा चुनाव लड़े हैं और तीनों चुनाव की सीटों को मिलाकर भी कांग्रेस ने कुल 195 सीटें मात्र जीती है जबकि भाजपा ने केवल 2024 के लोकसभा चुनाव में 240 सीटें जीती है और इसकी तुलना में कांग्रेस की सीटें काफी कम है। घमंडिया गठबंधन के कांग्रेस समेत सारे दल मिलकर भी 2024 के लोकसभा चुनाव में अकेली भाजपा की 240 सदस्य संख्या से पीछे ही है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि एक परिवार और एक व्यक्ति की चापलूसी का कीर्तिमान रचने में लगे तमाम कांग्रेस नेता लोकसभा के समग्र देश के नतीजों के परिप्रेक्ष्य में विचार करने के बजाय जनादेश का मनमाना विश्लेषण करके जनता जनार्दन का अपमान कर रहे हैं। तीन-तीन लोकसभा चुनाव में अपने नेतृत्व में कांग्रेस के लगातार दयनीय प्रदर्शन के बाद भी राहुल गांधी अहंकार और अराजकता का प्रदर्शन कर संसद में नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद के सम्मान की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में 11 जुलाई से पौधारोपण का महाअभियान

स्कूली बच्चे और सामाजिक संस्थाएं होंगे शामिल

सौहार्द्र का वातावरण, कुछ असमाजिक तत्व कर रहे बिगाड़ने की कोशिश

कांग्रेसी नेता बरसाती मेढ़क, चुनाव आने पर कर रहे राजनीति

रायपुर। वनमंत्री केदार कश्यप ने गुरुवार को विभिन्न मुद्दों को लेकर बयान दिया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 11 जुलाई से पौधारोपण का महाअभियान शुरू हो रहा है। इस अभियान में प्रदेश के स्कूली बच्चे, सामाजिक संस्थाएं शामिल होंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का संदेश दिया है। पौधारोपण को लेकर ये एक बड़ा संदेश है। आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहा है। पीएम मोदी जी का यह प्रयास आने वाले समय में एक मिल का पत्थर साबित होगा।

वनमंत्री कश्यप ने कहा कि, देश और छत्तीसगढ़ में सौहार्द्र का वातावरण है, जिसे कुछ असामाजिक और आपराधिक तत्व के लोग समाज को उकसाने का काम कर रहे हैं। भाजपा ने सभी लोगों के लिए वैक्सीन, पीएम आवास, आयुष्मान कार्ड बनाया। मुफ्त चावल देने का काम किया। अब्दुल कलाम आजाद जी को राष्ट्रपति बनाया। जो लोग असुरक्षा का सवाल उठा रहे हैं। वो खुद इनके साथ राजनीति करने के सिवाय कुछ नहीं किया है। श्री कश्यप ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में जो भी आपराधिक तत्व के हो, वो किसी भी समाज का हो, वह कानून से ऊपर नहीं है। उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वनमंत्री श्री कश्यप बोले कि, भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के बयान पर वनमंत्री श्री कश्यप ने कहा कि, सतनामी समाज बाबा गुरु घासीदास को मानने वाले लोग है, बाबा अहिंसा के पुजारी थे, समाज शुद्ध आचरण और संत प्रवृत्ति के लोग है। इनके लिए हमारी सरकार ने बहुत काम किया है, अन्य सरकार ने इनके लिए कुछ नहीं

किया है। लेकिन आज अहिंसक समाज को कुछ लोग भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। बरगलाने की कोशिश कर रहे। ऐसे लोगों को बताना चाहता हूं कि यहां का समाज जागरूक है और हमारी सरकार इनके हित में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि, राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए केंद्र सरकार से करोड़ों रुपए की स्वीकृति मिली है, ये मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, उपमुख्यमंत्री अरुण साव की की दृढ़ इच्छा शक्ति के चलते मिली है। पिछली कांग्रेस सरकार की विकास को लेकर इच्छा नहीं थी। इनके नेताओं ने सार्वजनिक मंच से कहा कि, मोदी जी और गडकरी जी ने विकास कार्यों में कोई भेदभाव नहीं किया है, जो मांगा है, वह दिया है। आज ये किस मुंह से बात कर रहे हैं। दरअसल छत्तीसगढ़ की विकास के लिए इनकी इच्छा ही नहीं है। ये सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं। राजधानी रायपुर में सड़क चौड़ीकरण को लेकर कांग्रेस के आंदोलन को श्री कश्यप ने विशुद्ध राजनीति बताया है।

उन्होंने कहा कि, पांच साल राज्य में कांग्रेस की सरकार रही, नगर निगम में भी 15 साल से इनकी सरकार है। लेकिन चुनाव आने पर ये कांग्रेसी नेता बरसाती मेढ़क की तरह कुंआ से बाहर आकर टर्र-टर्र कर रहे हैं। इस बार फिर इनकी बुरी हार होनी वाली है। जनता को मुंह दिखाने लायक भी नहीं बचेंगे।

भूपेश द्वारा लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी लिखने पर बोले भरत

भूपेश का पद चला गया लेकिन चिट्ठी लिखने की आदत नही गईः वर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भरतलाल वर्मा ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को झूठी चिट्ठियाँ लिखने की आदत पड़ी हुई है। श्री वर्मा ने कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे, तब भी बार-बार चिट्ठी लिखकर झूठी और फालतू बातें करते थे और अब जब वे मुख्यमंत्री नहीं हैं, तब मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए चिट्ठी लिख रहे हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री वर्मा ने कहा कि बघेल ने लोकसभा स्पीकर को अभी चिट्ठी लिखी है, जिसमें उन्होंने भाजपा सांसद संतोष पांडेय के महादेव एप को लेकर लोकसभा में कही गई बातों को विलोपित करने की मांग की है। चिट्ठी लिखने से पहले बघेल द्वारा भाजपा सांसद के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की दी गई धमकी को हास्यास्पद और कोरी गीदड़भभकी बताते हुए श्री वर्मा ने कहा कि बघेल को इतना सामान्य ज्ञान तो होगा कि संसद के भीतर कहे गये किसी भाषण के लिये बाहर कार्रवाई नहीं हो सकती। भाजपा सांसद श्री पांडेय ने संसद में किसी का नाम तो नहीं लिया है, और पूर्व मुख्यमंत्री तो कांग्रेस के भी और भी रहे हैं, तो बघेल क्यों बिफर रहे हैं? न केवल महादेव एप, बल्कि शराब समेत अन्य तमाम घोटाले में किंगपिन

किसे कहा गया है, पॉलिटिकल मास्टर कौन है, यह किसी से छिपा नहीं है। श्री वर्मा ने कहा कि घोटालेबाज जो हैं, उनके बारे में विषय उठाने बहुत जरूरी हैं, छत्तीसगढ़ की जनता के हित में है। और बघेल अब जो यह नया प्रपंच रच रहे हैं, उस पाखंड की कोई उम्र नहीं रहेगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री वर्मा ने कहा कि भूपेश बघेल पहले यह बताएं कि वह इतनी चिठ्ठियाँ लिखते हैं, तो कभी किसी चिठ्ठी का जवाब क्यों नहीं देते? उनके कार्यकर्ता उनको चिठ्ठियाँ लिख रहे हैं, उनके लोगों के ऊपर संगठन में भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं और कई कार्यकर्ता उनके ऊपर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। कई चिठ्ठियाँ और लिखी जा रही हैं जिनमें भूपेश बघेल को हार का जिम्मेदार बताया जा रहा है। श्री वर्मा ने सवाल किया कि बघेल इसका जवाब क्यों नहीं देते? भूपेश बघेल केवल एक तरफा काम क्यों करते हैं?

सहयोग केंद्र में मंत्री देवांगन एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री वर्मा ने सुनी जनता की समस्या

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार एक ओर विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी में किए गए वादों पर तेजी से अमल कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की जनता को शासकीय योजनाओं का समुचित लाभ मिले, इसके लिए भी संवेदनशील है। इसी क्रम में कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में सहयोग केंद्र संचालित किया जा रहा है जहाँ प्रदेश सरकार के मंत्री और भाजपा पदाधिकारी प्रतिदिन निर्धारित दिनों में उपस्थित रहकर जनता की समस्याओं का निवारण सुनिश्चित कर रहे हैं।

भाजपा कार्यालय में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सहयोग केंद्र में गुरुवार को वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री भरतलाल वर्मा ने जनता की समस्याओं को सुना और उनके आवेदन स्वीकार किए। श्री देवांगन व श्री वर्मा को गुरुवार को उद्योग विभाग, शिक्षा एवं अन्य क्षेत्र के 35 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए जिस पर मंत्री श्री देवांगन ने त्वरित निदान करने का निर्देश दिया।

उल्लेखनीय है कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में जनता की समस्याओं के त्वरित निदान के लिए भाजपा सरकार के मंत्री प्रत्येक दिवस बैठकर सुनते हैं। मंत्री श्री देवांगन ने जनता की समस्याओं को सुनने के बाद उसके निदान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। श्री देवांगन ने कहा कि जनता को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो, इसके लिए भाजपा की सरकार प्रतिबद्ध है। भाजपा जन सेवा को प्रभु सेवा मानकर कार्य करती है और जनता को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो, इस पर भी विशेष ध्यान रखती है। इस दौरान बड़ी संख्या में सहयोग केंद्र में आमजनों ने आवेदन देकर मंत्री श्री देवांगन को अवगत कराया।

हमारा मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और इसके लिए विभाग द्वारा कई योजनाओं और कार्यक्रमों का किया जा रहा संचालन

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि रेडी टू ईट की सप्लाई में किसी भी प्रकार की रुकावट की खबरें निराधार हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं और सप्लाई चैन सुचारू रूप से चल रही हैं। उन्होंने कहा, जब भूपेश बघेल जी मुख्यमंत्री थे तब महिलाओं की हक छीन कर यह काम एनजीओ को दिया गया था लेकिन भाजपा की सरकार आने के बाद फिर से महिलाओं को इस काम में लगाया जा रहा है। हम महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें रोजगार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्रीमती राजवाड़े ने यह भी स्पष्ट किया कि मीडिया में जो खबरें आई हैं, वे गलत जानकारी पर आधारित हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

कोल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न विकास के लिए कोल खनन जरूरीः मीना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोयला मंत्रालय भारत सरकार से संबंधी परियोजनाओं की प्रगति के संबंध में भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के सचिव श्री अमृतलाल मीना और मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन की मौजूदगी में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में केन्द्र शासन और छत्तीसगढ़ शासन के अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के कोरबा और रायगढ़ जिले में संचालित कोल परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। कोल परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन सहित मुआवजा को लेकर कोरबा और रायगढ़ जिले के कलेक्टर और साउथ ईस्ट कोल फिल्ड लिमिटेड के अधिकारी के बीच सकारात्मक विमर्श हुआ। बैठक में साउथ ईस्ट कोल फिल्ड लिमिटेड द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप उत्पादित कोल सहित विभिन्न परियोजनाओं के लिए कोल वितरण के संबंध में भी व्यापक चर्चा हुई। कोयला मंत्रालय भारत सरकार के सचिव श्री अमृतलाल मीना ने अधिकारियों से कहा कि कोल खदानों में कोल उत्पादन लगातार होना बहुत जरूरी है। कोयले से देश की ऊर्जा सहित अन्य विकास परियोजनाएं निर्भर रहती है। कोल खनन के लिए वन, राजस्व और निजी भूमि के अधिग्रहण के लिए स्थानीय प्रशासन का सहयोग जरूरी है।

हसदेव में लाखों पेड़ कटवाने वाले मोदी एक पेड़ लगाने की अपील कर रहे है

रायपुर। प्रधानमंत्री के द्वारा आम जनता से अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने की अपील को राजनीतिक पाखंड और ध्यान भटकाने वाला इवेंट करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि हसदेव अरण्य का जंगल, जिसे सेंट्रल इंडिया का फेफड़ा कहा जाता है, उसे केंद्र की मोदी सरकार ने केवल अपने दोस्त अडानी के मुनाफे के लिए, कोल खनन के लिए कटवाया है। पिछले 6 महीने में भाजपा की डबल इंजन की सरकार आने के बाद से हसदेव अरण्य क्षेत्र के 137 हेक्टेयर में फैले जंगल में लाखों की संख्या में पेड़ निर्दयता पूर्वक काट दिए गए। 841 हेक्टेयर में फैले परसा के जंगलों में भी कटाई शुरु हो गई है। नो-गो एरिया को संकुचित कर अडानी के मुनाफे के लिए कमर्शियल माइनिंग की अनुमति दी गई। दोस्त के मुनाफे के लिए लाखो पेड़ की बलि चढ़ाने वाले मोदी जी अपने पर्यावरण विरोधी पाप पर परदेदारी करने, जनता से मां के नाम पर एक पेड़ लगाने की अपील कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि अपने दोस्त के मुनाफे के लिए छत्तीसगढ़ में लाखों पेड़ निदयतापूर्वक कटवाने वाले मोदी जी, एक पेड़ लगाने की अपील कर रहे हैं, भाजपाई बताएं कि राजनैतिक पाखंड है या नौटंकी?

मोदी जिस शराब घोटाला की बात कर रहे वह भाजपा की साजिश है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ का कथाकथित शराब घोटाला जिसका जिक्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में किया है, वह तो उनकी सरकार की साजिश थी। भाजपा और ईडी ने मिलकर इस तथाकथित घोटाले की पटकथा लिखा था। इस शराब घोटाला को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। राजनैतिक विद्वेष वश भाजपा की सरकार बनने के बाद ईडी और ईओडब्लू ने मिलकर फिर से एफआईआर दर्ज किया है। प्रधानमंत्री को वास्तव में शराब घोटाला की चिंता है, रमन राज में 4600 करोड़ का शराब घोटाला छत्तीसगढ़ में हुआ था। वर्तमान में जो भाजपा सरकार है वो भी लगातार शराब घोटाला कर रही है। शराब की खरीदी से बिक्री तक में घोटाले हो रहे है। प्रधानमंत्री में साहस है तो इसकी जांच करा ले, पता लग जायेगा कितना घोटाला हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि शराब घोटाला तो भाजपा की सरकार कर रही है। जैसा आबकारी नियमों में बदलाव दिल्ली में आप सरकार ने किया था जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री जेल में है वैसा ही नियमों में परिवर्तन छत्तीसगढ़ सरकार ने भी किया है। यह सीधे-सीधे शराब कंपनियों से मिलने वाले डिस्काउंट की मोटी रकम में घोटाले का खेल है।

उप मुख्यमंत्री साव ने केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री खट्टर से की मुलाकात

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के विभिन्न नगरीय निकायों की बड़ी योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने शहरों की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए आवश्यक राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य की शहरों के विकास की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए यहां संचालित केंद्रीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री को दी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर से नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में हुई मुलाकात के दौरान वर्तमान में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत या आगामी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत बीएलसी घटक के अंतर्गत 19 हजार 906 नए आवास स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

मां का आशीर्वाद जरूरी हैः गिरीश पंकज

रायपुर। नागपुर के जाने माने लेखक,प्रकाशक और महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी में नागपुर का प्रतिनिधित्व कर चुके भूतपूर्व सदस्य अविनाश बागड़े की बहुचर्चित दोहे चाय के संग जो उन्होंने 1 जनवरी 2024 से 24 जून 2024 निरंतर लिखकर सोशल मीडिया के विश्वव्यापी पटल फेस बुक पर प्रस्तुत किया।उन्हीं 700 दोहों के पुस्तकाकार प्रारूप यानि दोहा सतसई का लोकार्पण उन्होंने अपनी मातुश्री लीला बागड़े जी के हस्ते उनके जन्मदिन पर सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार ,कवि,संपादक सद्भावना दर्पण गिरीश पंकज जी की उपस्थिति में रायपुर स्थित अपनी मां के घर पर किया।इस अवसर पर श्री मोहन साहू, डा जगदीश डागर , डा विशाखा बागड़े, नीना चोखाआंद्रे माधवी लांजेवार,डा सुशील बागड़े सहित अनेक गणमान्य लोगों और परिजनों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर बोलते हुए गिरीश पंकज जी ने कहा...जब माताजी का जन्मदिन मनाया जा रहा है.

छत्तीसगढ़ विजन 2047: वर्किंग ग्रुप के अधिकारियों की बैठक

लोगों की आय बढ़ाने और एआई तथा आईटी सेवाओं में विस्तार पर किया गया मंथन

रायपुर। एआई और आईटी सेवाओं में विस्तार, केन्द्रीय लॉजिस्टिक हब बनाने, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने कौशल सुधार जैसे विषयों पर विभिन्न विभाग के अधिकारियों ने गहन विचार-विमर्श किया। ''अमृतकाल-छत्तीसगढ़ विजन @2047'' डॉक्यूमेंट तैयार करने वाणिज्य उद्योग और अधोसंरचना विकास विषय पर गठित वर्किंग समिति की द्वितीय बैठक राज्य नीति आयोग अटल नगर नवा रायपुर के सभा कक्ष में आज आयोजित की गई। वाणिज्य उद्योग और अधोसंरचना विकास से संबंधित लक्ष्य, चुनौतियां एवं सामर्थ्य विषय पर विस्तार से चर्चा की गई तथा वर्किंग समिति के सदस्यों द्वारा सुझाव देकर उन विषयों को दस्तावेज में शामिल कराने की बात कही। बैठक में प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यवर्धन वैश्विक उत्पाद, स्थानीय एमएसएमई और ग्रामीण उद्योगों के सशक्तीकरण, हरित विनिर्माण में छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने, माइक्रो फाइनेंसिंग और रणनीतिक पीपीपी के साथ निवेश सुविधा बढ़ाने विस्तार से चर्चा की गई। इसी प्रकार प्रौद्योगिकी में कौशल

उन्नयन करने विश्व स्तरीय प्रशिक्षण की आवश्यकता, अति आधुनिक मजबूत लॉजिस्टिक हब बनाने, एकीकृत औद्योगिक परिवहन अधोसंरचना विकसित करने, केन्द्रीयकृत लॉजिस्टिक हब, वेयरहाउस और मिनी औद्योगिक पार्क बनाने, सतत् परिवहन समाधन करने, राज्य एवं जिला स्तर पर समर्पित तकनीकी ढांचा विकास निधि की व्यवस्था कराने, वेयर हाउस हब के लिए अमेजन और फ्लिपकार्ड जैसे उद्योगों के दिग्गजों के साथ रणनीतिक पीपीपी विनेश को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसी तरह राज्य में एआई और आईटी सेवाओं में विस्तार करने, केपीओ, बीपीओ और बीपीएम सेवाओं के लिए वैश्विक केन्द्र बनाने, एआई उत्कृष्टता के लिए हब और सेवाएं बढ़ाने, तकनीकी पार्क स्थापित करने, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आईटी कंपनियों को आकर्षित करने सरकार द्वारा निरंतर विपणन की ब्राडिंग के लिए प्रयास करने, केपीओ, बीपीओ और बीपीएम सेवा प्रदाताओं को आकर्षित करने के लिए रायपुर और नवा रायपुर में समर्पित हरित ज्ञान पार्क का विकास करने, छत्तीसगढ़ एआई उत्कृष्टता पार्क की स्थापना करने, उच्च ऊर्जा दक्षता और वैश्विक ऊर्जा के साथ रायपुर तथा नवा रायपुर में आधुनिक ग्रीन डेटा सेंटर पार्क विकसित करने, अग्रणी क्लाउड सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी करने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषय पर दस्तावेज में शामिल करने पर चर्चा किया गया। राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव श्री अनूप श्रीवास्तव एवं सदस्य श्री के. सुब्रमण्यम ने विभागों द्वारा बनाए गए लघु ,मध्यम एवं दीर्घकालीन विजन एवं रणनीतियों के निर्धारण हेतु अपना सुझाव दिए। श्री के सुब्रमण्यम ने जीडीपी, रोजगार, कृषि एवं संबंधित उद्योग, प्रति व्यक्ति आय ,सेवाएं, व्यय एवं निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक, प्रशिक्षित कार्मिक ,शासन और नीतियों की अनुकूलता, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए कौशल सुधार जैसे विषयों पर अपने विचार दिए। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय को बढ़ावा देने के लिए उच्च उत्पादन वाले क्षेत्रों में रोजगार पैदा करना महत्वपूर्ण है। सदस्य सचिव अनुप श्रीवास्तव ने कहा की बीपीओ और के पी ओ जैसी आईटी सेवा में विस्तार करने की आवश्यकता है>

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.